·हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 258 बेमेतरा, शुक्रवार 15 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पहला कॉलम

एप्पल और गूगल को पोर्नोग्राफी को बढ़ावा देने वाले ऐप्स हटाने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने गूगल और एप्पल को निर्देश दिया है कि वो अपने प्ले स्टोर और ऐप स्टोर पर पोर्नोग्राफी और वेश्यावृति को बढ़ावा देने वाले ऐप्स पर सख्त कार्रवाई करें. चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वो पूरी पीढ़ी को बर्बाद करने की अनुमति नहीं दे सकते. हाई कोर्ट ने गूगल, एप्पल और केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो पोर्नोग्राफी और वेश्यावृति को बढ़ावा देने वाले ऐप्स को रोकने को लेकर कार्रवाई को लेकर एक एक्शन टेकन रिपोर्ट दाखिल करे. कोर्ट ने कहा कि गूगल और एप्पल अपने प्ले स्टोर और ऐप स्टोर पर ऐसे ऐप अपलोड होते समय ही रोकें. कोर्ट ने कहा कि आईटी रूल्स 2021 के दिशानिर्देशों के मुताबिक, इंटरमीडियरी को ऐसी शिकायतों पर कार्रवाई करने में न केवल मुख्य भूमिका निभानी है, बल्कि उन्हें अपलोड होते समय भी कानून के मुताबिक कार्रवाई करनी चाहिए. कोर्ट ने कहा कि गूगल और एप्पल जैसे इंटरमीडियरी को आईटी रुल्स के मुताबिक शिकायतों पर गौर करते हुए उन्हें तुरंत रोकना होगा. याचिका रुबिका थापा ने दायर किया है.

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भबानीपुर से रहेंगे विधायक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने ऐलान किया कि वह कोलकाता जिले की भबानीपुर विधानसभा सीट नहीं छोड़ेंगे और यहीं से विधायक रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह पुरबा मेदिनीपुर जिले की नंदीग्राम विधानसभा सीट से इस्तीफा देंगे, जिस पर आगे उपचुनाव होगा। उन्होंने कहा, आज भवानीपुर सीट से शपथ ली है, नंदीग्राम से इस्तीफा दूंगा, लेकिन नंदीग्राम के लोगों को यह महसूस नहीं होने दूंगा कि मैं उनकी प्रतिनिधि नहीं हूं। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भबानीपुर में पढ़ीं और बड़ी हुई हैं। उन्होंने शुरुआती दिनों में यहां काम भी किया है। उनका आवास यहीं कालीघाट में है। ममता ने 2011 के उपचुनाव में यहां 54,000 से अधिक वोट से जीत दर्ज की थी।

अमूल ने देशभर में दूध के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाए

नई दिल्ली। देश में महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है. अमूल का दूध महंगा हो गया है. गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन ने अमूल के 1 लीटर दूध पर 2 रुपये की कीमत बढ़ा दी है. बढ़ी हुई कीमतें लागू हो गई है बढ़ी हुई अमूल दूध की यह कीमत सभी वैरिएंट पर लागू हुई पिछली बार कीमतों में वृद्धि 1 मई, 2025 को हुई थी. जीसीएमएमएफ ने एक बयान में कहा कि उसने पूरे भारत में प्रमुख दूध बिक्री, प्रकारों, पैकेटों में ताजे पाउच दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है, जो 14 मई से प्रभावी है. आगे कहा गया है कि यह वृद्धि लगभग 2.5 से 3.5 प्रतिशत प्रति लीटर है, जो औसत खाद्य मुद्रास्फीति से कम है.

संपत्ति विवाद में पिता- पुत्र ने रची थी साजिश

जिला-जांजगीर चांपा में एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या...

जांजगीर/ संवाददाता

जांजगीर-चांपा। जिले के भवंतरा गांव में चार लोगों की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। शुरुआती जांच के बाद सामने आया है कि इस जघन्य वारदात को मृतक के पुत्र सोना साय कश्यप ने अपने बेटे गोलू के साथ मिलकर अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान मेदनी प्रसाद कश्यप, पीताम्बर कश्यप, शांति बाई और कुमारी मोगरा के रूप में हुई है। पूरा मामला पारिवारिक संपत्ति विवाद से जुड़ा हुआ है। पैतृक संपत्ति को लेकर लंबे समय से परिवार में तनाव चल रहा था, जो धीरे-धीरे गंभीर विवाद में बदल गया और इसी के चलते हत्या की यह वारदात सामने आई। जांच में यह भी तथ्य सामने आया है कि मुख्य आरोपी सोना साय कश्यप का आपराधिक इतिहास पहले से रहा है। बताया जा रहा है कि उसने पूर्व में अपने ही बड़े भाई की हत्या की थी, जिसके चलते वह लगभग 15 साल तक जेल में रहा। हाल ही में सजा पूरी होने के बाद वह रिहा होकर गांव लौटा था। गांव लौटने के बाद भी पारिवारिक विवाद शांत नहीं हुआ और संपत्ति बंटवारे को लेकर लगातार विवाद की स्थिति बनी रही। इसी विवाद के चलते आरोपी ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। शिवरीनारायण पुलिस ने पूर्व में भी आरोपी सोना साय कश्यप के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की थी, लेकिन इसके बावजूद मामला शांत नहीं हो सका। अब इस घटना के बाद पुलिस ने पूरे मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि आज सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि भवंतरा गांव में बुधवार देर रात एक ही परिवार के 4 लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई है। मृतकों में पति-पत्नी और नाती-नातिन शामिल हैं, जिनकी लाशें निर्माणाधीन मकान में खाट पर मिली हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना का पता गुरुवार सुबह तब चला, जब वहां पहुंचे मिस्त्री ने मेदनी प्रसाद कश्यप, पीताम्बर कश्यप, शांति बाई और कुमारी मोगरा के शव देखे। इसके बाद मौके पर फोरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम पहुंची और जांच में जुटी गई, इस दौरान पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जिसके बाद इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा हुआ। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे की जांच कर रही है और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

भाई की हत्या कर 15 साल जेल में रह चुका है आरोपी

शुरुआती जांच के अनुसार, मेदनी प्रसाद के 3 बेटे थे, जिनमें सोनसाय भी शामिल है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोनसाय ने पहले अपने एक भाई की हत्या कर दी थी और उस मामले में 15 साल की जेल की सजा काटी थी, जबकि दूसरे बेटे ने आत्महत्या कर ली थी। अधिकारी ने बताया कि सोनसाय ने अपने बेटे डाकेश्वर उर्फगोलू के साथ मिलकर अपने माता-पिता और अपने दो मृत भाइयों के बच्चों की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी, जब वे निर्माणाधीन मकान में सो रहे थे।

पीतांबर और मोगरा इकलौते बेटा-बेटी थे

पीतांबर अपने दिवंगत पिता का इकलौता बेटा था, जबकि मोगरा अपने पिता की इकलौती बेटी थी। अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार सुबह मजदूरों ने चारपाई पर शव देखे, जिसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। आरोपी पारिवारिक संपत्ति पर अपना एकाधिकार चाहता था और संदेह है कि उसने अन्य दावेदारों को रास्ते से हटाने के लिए इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

केसी वेणुगोपाल को लगा झटका

कांग्रेस का ऐलान,वीडी सतीशन बने केरलम के नए मुख्यमंत्री..

नई दिल्ली/ एजेंसी

केरलम में 10 साल के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफसत्ता में वापस आई है। चुनाव के दस दिन बाद आज केरलम के मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की गई है। कांग्रेस ने केरलम में नए मुख्यमंत्री के तौर वीडी सतीशन को चुना है। वर्तमान में वीडी सतीशन परावुर से विधायक चुने गए है। इससे पहले भी इस विधानसभा सीट से वे 6 बार विधायक रह चुके है। वीडी सतीशन के चुने जाने से केसी वेणुगोपाल को जोरदार झटका लगा है। अब तक केसी वेणुगोपाल का नाम सुर्खियों में आगे आ रहा था, लेकिन कांग्रेस ने इस बार वीडी सतीशन पर भरोसा जताया। पार्टी ने केसी वेणुगोपाल का पत्ता काट दिया। कोच्चि के पास नेत्तूर में जन्मे वीडी सतीशन पेशे से वकील है। वे केरलम हाई कोर्ट में प्रैक्टिस कर चुके है। 2001 से अब तक वीडी सतीशन कभी नहीं हारे है। साथ ही वे केरलम कांग्रेस प्रदेश केमेटी के अध्यक्ष भी रह चुके है। कांग्रेस के नेता और अब मुख्यमंत्री वीडी सतीशन को पार्टी ने 2021 में नेता विपक्ष बनाया था। कांग्रेस पार्टी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए केरलम के नए मुख्यमंत्री के रूप में वीडी सतीशन के नाम की घोषणा की। यह घोषणा नई दिल्ली में एआईसीसी की केरल प्रभारी दीपा दासमुंशी और राज्य के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों अजय माकन और मुकुल वासनिक ने की। केरलम में नई सरकार के गठन और मुख्यमंत्री के नाम को लेकर बुधवार को राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस के पुराने रणनीतिकार ए. के. एंटनी के बीच बड़ी बैठक हुई थी। इस बैठक में तीन दावेदारों का नाम सबसे आगे था। इनमें वीडी सतीशन, रमेश चेन्निथला और के. सी. वेणुगोपाल के नाम पर चर्चा तेज थी।

सख्ती से पालन करने का निर्देश

बंगाल के स्कूलों में वंदे मातरम गीत गाना अनिवार्य

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में सुबह की प्रार्थना सभा के दौरान वंदे मातरम् गीत गाना अनिवार्य करने का फैसला लिया है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से जारी आधिकारिक निर्देश के मुताबिक यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू होगी और राज्य के सभी छात्रों को स्कूल शुरू होने से पहले प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय गीत गाना होगा। विभाग ने सभी स्कूल प्रमुखों को निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। 13 मई को जारी आदेश में शिक्षा निदेशक ने स्पष्ट किया कि कक्षाएं शुरू होने से पहले सुबह की प्रार्थना सभा में वंदे मातरम् गीत का गायन अनिवार्य बनाया जाए ताकि राज्य के सभी स्कूलों में सभी छात्र राष्ट्रीय गीत गाएं। अधिकारियों के मुताबिक स्कूलों को इसके पालन का वीडियो रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखने के लिए कहा गया है, ताकि इसे लागू किए जाने का प्रमाण उपलब्ध रहे। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा, अगले सोमवार से राज्य के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् को प्रार्थना गीत के रूप में शुरू किया जाएगा। मैं आज नबन्ना जाकर इसकी जानकारी दूंगा। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय प्रतीकों के सम्मान से जुड़े कानूनों को और मजबूत करने की दिशा में कदम उठा रही है। केंद्र सरकार राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम, 1971 में संशोधन की तैयारी कर रही है, जिसके तहत वंदे मातरम् के गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध बनाया जा सकता है। ऐसे में पश्चिम बंगाल सरकार का यह कदम राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों स्तरों पर अहम माना जा रहा है। अब तक राज्य के स्कूलों में मुख्य रूप से राष्ट्रगान जन-गण-मन गाया जाता था, जिसे गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने लिखा था।

प्रधानमंत्री की अपील का असर; फांस नहीं जाएंगे महाराष्ट्र के नेता

नईदिल्ली। ईरान युद्ध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने और विदेश यात्राओं से बचने की अपील की थी। खुद प्रधानमंत्री ने अपनी कारों के काफिले में कटौती की है। अब कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों ने इस अपील का पालन करते हुए अपना काफिला छोटा किया है और विदेश यात्राएं रद्द कर दी हैं। महाराष्ट्र सरकार ने मंत्रियों को ऑनलाइन बैठक करने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार के अधिकारी और सभी मंत्री कम से कम वाहनों का उपयोग करेंगे।

देवास पटाखा फैक्ट्री ब्लास्ट

धमाके से हवा में उछले टीन शेड और मजदूरों के शव 10 मौतों की आशंका-जबकि कई मजदूर घायल हुए

भोपाल। मध्य प्रदेश के देवास जिले के टोंककलां क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके ने पूरे इलाके को दहला दिया। मक्सी रोड स्थित फैक्ट्री में करीब सुबह 11:30 बजे जोरदार विस्फोट हुआ, जिसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। धमाका इतना शक्तिशाली था कि फैक्ट्री के टीन शेड हवा में उछल गए और आसपास के मकान तक हिल गए। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक हादसे में 8 से 10 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है, जबकि कई मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धमाके के बाद फैक्ट्री परिसर में चीख-पुकार मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई। घटनास्थल से उठता काला धुआं कई किलोमीटर दूर से दिखाई दिया। स्थानीय लोगों के मुताबिक विस्फोट इतना तेज था कि आसपास के घरों की खिड़कियां और दीवारें तक कांप उठीं। मजदूरों के शव के टुकड़े हवा में उछलकर 20 से 25 फीट दूर जा गिरे। हादसे के बाद कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, दमकल और राहत दल मौके पर पहुंच गए। फैक्ट्री परिसर को खाली कराकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को एंबुलेंस के जरिए तत्काल देवास जिला अस्पताल और आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है।

चेन्नई, तमिलनाडु में तमिलनाडु विधानसभा में सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार के बहुमत को साबित करने के लिए आयोजित फ्लोर टेस्ट की कार्यवाही के बाद, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के विधायकों ने जीत का निशान दिखाया।

पंजाब में चुनाव से पहले बदलेगी वोटर लिस्ट

16राज्यों और 3 केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर होगा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने एसआईआर के तीसरे चर की घोषणा की है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा सहित 16 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची पुनरीक्षण एसआईआरके तीसरे चरण का ऐलान किया है। चुनाव आयोग ने बताया कि यह एसआईआर राज्यों में चरणबद्ध तरीके से होगा। बता दें कि तीसरे चरण में वोटर लिस्ट की समीक्षा एसआईआर हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के अलावा लगभग पूरे देश को अपने दायरे में ले लेगा। इन तीन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए एसआईआर कार्यक्रम की घोषणा चुनाव आयोग बाद में करेगा। एसआईआरके तीसरे चरण के दौरान 3.94 लाख से अधिक बूथ लेवल अफसर 36.73 करोड़ मतदाताओं के घर-घर जाकर मतदाताओं की पहचान करेंगे। इस दौरान राजनीतिक दलों की तरफ से जनगणना के लिए नियुक्त 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट भी इस काम में सहयोग करेंगे।

समंदर में समाया जहाज,एमईए ने कहा-अस्वीकार्य

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज मे भारतीय टैंकर हाजी अली पर ड्रोन हमला...

नई दिल्ली/ एजेंसी

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ओमान के समुद्री तट के पास भारतीय फ्लैग वाले मालवाहक जहाज 'हाजी अली' पर एक भीषण ड्रोन हमला हुआ है। यह हमला इतना शक्तिशाली था कि कुछ ही पलों में जहाज में आग लग गई और वह देखते ही देखते समंदर में समा गया। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर तीखी आपत्ति जताते हुए इसे पूरी तरह से 'अस्वीकार्य' करार दिया है। अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच गुजरात का शिपिंग उद्योग लगातार ऐसे हमलों का शिकार हो रहा है। घटनाक्रम के अनुसार, बुधवार 13 मई 2026 की सुबह लगभग 3:30 बजे यह जहाज सोमालिया के बरबरा से शारजाह की ओर जा रहा था? जब यह ओमान के लिमाह के पास से गुजर रहा था, तभी एक मिसाइल या ड्रोन जोरदार धमाके के साथ जहाज से टकरा गया। इस हमले के तुरंत बाद जहाज में भीषण आग लग गई और वह डूबने लगा। यह जहाज गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले का था और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक रूट पर अपनी नियमित यात्रा पर था। जहाज को डूबता देख उस पर सवार कुल 14 क्रू सदस्यों ने तुरंत सूझबूझ दिखाई। उन्होंने लाइफबोट्स और टाइम सिग्नल का इस्तेमाल कर अपनी जान बचाई। ओमान कोस्ट गार्ड और नेवी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए

रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और सभी 14 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया। हादसे के बाद इन नाविकों को ओमान के दीबा बंदरगाह पर पहुँचाया गया है और अब उन्हें वापस भारत लाने की कोशिशें की जा रही हैं। जहाज के मालिक सुल्तान अहमद संघार ने भी सभी सदस्यों के सुरक्षित होने की पुष्टि की है। यह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक हफ्ते के भीतर भारतीय जहाज के डूबने की दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 8 मई 2026 की रात को गुजरात का ही एक अन्य जहाज 'अल फैज नूर सुलेमानी-1' भी स्ट्रेट ऑफहोर्मुज में डूब गया था। वह जहाज दुबई से यमन के मुक्काला जा रहा था और अमेरिका-ईरान के बीच हुई गोलीबारी की चपेट में आ गया था। इन लगातार होती घटनाओं ने हिंद महासागर और खाड़ी देशों के व्यापारिक मार्ग पर सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक नाविकों को लगातार निशाना बनाया ।

आवक, बिक्री एवं वितरण व्यवस्था पर हुई विस्तृत चर्चा, बेहतर समन्वय एवं प्रबंधन व्यवस्था सुदृढ़ करने पर दिया गया विशेष जोर

अनावश्यक जमाखोरी से बचें, आवश्यकता के अनुरूप ही करें उत्पाद का उपभोग – जिला प्रशासन

जिले में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति व्यवस्था की वर्तमान स्थिति का आकलन करने तथा बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में जिला संयुक्त कार्यालय के दिशा सभाकक्ष में पेट्रोल पंप संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की ईंधन आपूर्ति व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले में पेट्रोल एवं डीजल की आवक तथा बिक्री की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने पंप संचालकों से ईंधन की मांग, उपलब्धता, आपूर्ति श्रृंखला की निरंतरता एवं उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जिले के नागरिकों को पेट्रोल एवं डीजल की सहज, सुगम एवं निर्बाध आपूर्ति निरंतर प्राप्त होती रहे।कलेक्टर ने पेट्रोल एवं डीजल पंप संचालकों से सकारात्मक संवाद करते हुए उनके सुझावों एवं क्षेत्रीय अनुभवों को भी गंभीरता से सुना। उन्होंने सभी संचालकों से आग्रह किया कि उपभोक्ताओं को समय पर ईंधन उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा कालाबाजारी की स्थिति उत्पन्न न होने दी जाए। उन्होंने पेट्रोल एवं डीजल पंप संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बोतल अथवा डिब्बों में पेट्रोल एवं डीजल का वितरण न किया जाए। जिला प्रशासन द्वारा उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बैठक में वितरण प्रणाली को लेकर भी विस्तृत समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।जिला प्रशासन द्वारा जिलेवासियों से अपील की गई कि वे पेट्रोल एवं डीजल की अनावश्यक जमाखोरी से बचें तथा अपनी वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप ही इन उत्पादों का उपयोग करें। प्रशासन ने कहा कि जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग से सभी उपभोक्ताओं को सुचारु रूप से ईंधन उपलब्ध कराया जा सकेगा। बैठक में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने पंप संचालकों से समुचित समन्वय बनाए रखने एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने पर भी विशेष जोर दिया।इस अवसर पर जिला खाद्य अधिकारी, जिले के समस्त पेट्रोल पंप संचालक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने की कृषि, पशुधन, उद्यानिकी, रेशम और मछलीपालन विभाग की समीक्षा

कलेक्टर ने शासकीय योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ पात्र हितग्राहियों को देने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू की अध्यक्षता में कृषि, पशुधन, उद्यानिकी, रेशम और मछलीपालन विभाग के जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने उप संचालक कृषि आशुतोष श्रीवास्तव, पशुधन डॉ महेन्द्र पाण्डेय, सहायक संचालक उद्यान आकांक्षा उपाध्याय, रेशम विभाग की रोली शुक्ला, मछलीपालन के एन पी ओगरे को शासकीय योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ जिले के पात्र हितग्राहियों को देने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत इंद्रजीत बर्मन, डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू उपस्थित थे। कलेक्टर को कृषि उप संचालक ने सरकारी योजनाओं से जिले के किसानों को मिल रहें धान बिक्री के बोनस राशि का वितरण, एग्रीस्टेक में किसानों का अब तक पंजीयन, शेष किसानों की संख्या, प्रधानमंत्री अन्नदाता अन्य संरक्षण अभियान (पीएम आशा) में जिले के कुल 418 किसान, पीएम किसान मान धन योजना, ग्रीष्मकालीन धर्म के बदले लघु धान्य, (मिलेट्स) की खेती, पीएम किसान सम्मान निधि, खरीफ फसल के लिए खाद वितरण की मात्रा, भंडारण, डबल लॉक में बचत खाद की स्थिति और पीएम फसल बीमा की जानकारी दी।कलेक्टर पद्मिनी को उप संचालक पशुधन डॉ महेंद्र पाण्डेय ने जिले में पशुपालको को अब तक प्रदान किए गए केसीसी लोन, मादा वत्स उन्नत मादा पालन पोषण योजना इब्राहियों को पशु पौष्टीक आहार (काफ ग्रोवर दाना फीड) का वितरण, पशु मेला प्रदर्शनी, खुरा चपका टीकाकरण अभियान, पशु बीमा, मोबाईल मेडिकल वाहन, गौधाम, निःशुल्क दुधारू गाय पायलट प्रोजेक्ट, सड़क में घुमन्तु पशुओं को रेडियम पहनाना और गौधाम या गोशाला में विस्थापन आदि के बारे में जानकारी दी।कलेक्टर को सहायक संचालक उद्यान आकांक्षा उपाध्याय ने जिले के उद्यानिकी क्षेत्र के किसान, प्लांटेशन, जिले के रोपणी की जानकारी दी। कलेक्टर ने प्लांटेशन में कितने पौधे जीवित हैं उसकी जानकारी ली और नवीन कलेक्ट्रेट में प्लांटेशन प्रक्रिया प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेशम विभाग की रोली शुक्ला से रेशम विभाग के मलबरी, कोकून उत्पादन, सेंटर, कोकून बैंक, हितग्राही आदि के बारे में जानकारी ली। मछलीपालन के संबंध में अधिकारी एन पी ओगरे ने जिले में मछली पालन उत्पादन, उत्पादक किसान, हेचरी की संख्या आदि के बारे में जानकारी दिया।

कांकेर पुलिस की 'क्लीन स्वीप': बुलडोजर के नीचे आई 10 लाख की अवैध शराब, उजियारा अभियान जारी

नशे के सौदागरों पर कांकेर पुलिस का बड़ा प्रहार

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेरः-जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ कांकेर पुलिस ने एक बार फिर कड़ा प्रहार किया है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे 'उजियारा अभियान' के तहत थाना चारामा पुलिस ने बड़ी मात्रा में जब्त की गई अवैध शराब का विधिवत नष्टीकरण किया है। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 10 लाख रुपये मूल्य की देशी और अंग्रेजी शराब को अदालती आदेशानुसार नष्ट कर वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण की गई। रिकॉर्ड 158 प्रकरणों की शराब हुई नष्ट पुलिस प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, थाना चारामा में आबकारी एक्ट के तहत दर्ज कुल 158 विभिन्न प्रकरणों में समय-समय पर शराब जब्त की गई थी।

न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी होने के बाद, माननयी न्यायालय से प्राप्त आदेशों के पालन में 13 मई 2026 को इन सभी प्रकरणों की शराब का निपटारा किया गया। नष्ट की गई शराब में 280.300 बल्क लीटर देशी महुआ शराब (अनुमानित कीमत ?28,030) और 1280.890 बल्क लीटर अंग्रेजी शराब (अनुमानित कीमत ?9,62,167) शामिल है। इस प्रकार कुल 1561.190 बल्क लीटर अवैध शराब, जिसकी कुल अनुमानित कीमत ?9,90,197 है, को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुई कार्रवाई नष्टीकरण की यह पूरी प्रक्रिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांकेर योगेश साहू के मार्गदर्शन और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर मोहसिन खान के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। इस दौरान थाना प्रभारी सुरेश कुमार राठौर एवं थाना स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार 2026 : चांपा में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन आज

चांपा/मूक पत्रिका

आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद चांपा द्वारा ÷सुशासन तिहार 2026÷ के तहत जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

यह आयोजन कलेक्टर के आदेश के परिपालन में किया जा रहा है। शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा, उनके क्रियान्वयन की स्थिति तथा विकास कार्यों में गति लाने के साथ-साथ आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। नगर पालिका परिषद चांपा से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज 15 मई 2026 (गुरुवार) को प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक छत्रपति शिवाजी खेल परिसर (इंडोर हॉल), जहां वार्ड क्रमांक 10 से 25 तक के नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।नगर पालिका प्रशासन ने सभी संबंधित वार्डों के नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं, ताकि उनका त्वरित एवं प्रभावी निराकरण किया जा सके।नगर पालिका परिषद चांपा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित कर पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन को मजबूती दी जा रही है।

एक लाख के गांजे के साथ महिला गिरफ्तार, जेल दाखिल,चांपा पुलिस की कार्रवाई

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चांपा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने लाखों रुपये मूल्य के मादक पदार्थ गांजा के साथ एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। यह कार्रवाई प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पाल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप के मार्गदर्शन में की गई। निरीक्षक अशोक वैष्णव थाना प्रभारी चांपा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह महत्वपूर्ण कार्रवाई अंजाम दी।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 14 मई 2026 को चांपा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि भोजपुर स्थित इण्डेन गैस एजेंसी के पास एक महिला अवैध रूप से गांजा बेच रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध महिला को पकड़ा। पूछताछ में महिला ने अपना नाम मोंगरा बाई, उम्र 34 वर्ष, निवासी ग्राम पिसौद, थाना जांजगीर बताया। तलाशी के दौरान महिला के कब्जे से काले रंग के बैग में रखा 2.1 किलोग्राम अवैध मादक गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत एक लाख रुपये, तथा 450 रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस ने मौके पर ही मादक पदार्थ एवं नकदी को जब्त कर लिया।

निगम की संपत्ति से छेड़छाड़ और अवैध निर्माण मामले में एफआईआर दर्ज, पानी सप्लाई मुख्य पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर बिना अनुमति कराया जा रहा था अवैध निर्माण

रायगढ़/मूक पत्रिका

नगर पालिक निगम रायगढ़ द्वारा निगम की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने, बिना अनुमति सड़क खोदाई करने एवं अवैध निर्माण गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में निगम प्रशासन ने सावित्री नगर रोड, मिट्ठूमुड़ा क्षेत्र में चल रहे एक भवन निर्माण कार्य के मामले में थाना जूटमिल में एफआईआर कराई गई। सावित्री नगर रोड, मिट्ठूमुड़ा के पास शिवम होटल मॉलधक्का रोड स्थित भवन निर्माण कार्य अभिषेक अग्रवाल द्वारा कराया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान मुख्य सड़क पर लगभग छह स्थानों पर खोदाई की गई, जिससे नगर निगम की मुख्य जल प्रदाय पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। पाइप लाइन टूटने के कारण 13 मई 2026 की सुबह ट्रांसपोर्ट नगर, राजीव नगर, मिट्ठू मोड, सावित्री नगर, चमड़ा गोदाम संबंधित क्षेत्र में जल आपूर्ति बाधित रही और लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ा।जल प्रदाय प्रभावित होने से क्षेत्रीय नागरिकों में भारी नाराजगी देखी गई। स्थानीय लोगों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा भी मामले पर असंतोष व्यक्त किया गया। निगम प्रशासन ने बताया कि संबंधित व्यक्ति द्वारा सड़क खोदाई एवं निर्माण कार्य के लिए नगर निगम अथवा अन्य सक्षम प्राधिकरण से किसी प्रकार की पूर्व अनुमति प्राप्त नहीं की गई थी।निगम प्रशासन का कहना है कि बिना अनुमति सार्वजनिक मार्ग की खुदाई कर शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया है, जिससे न केवल निगम को आर्थिक क्षति हुई बल्कि आम नागरिकों को भी गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ा। मामले को गंभीर मानते हुए निगम प्रशासन ने थाना जूटमिल से सार्वजनिक व्यवस्था को बाधित करने, शासकीय संपत्ति को क्षति पहुंचाने एवं बिना अनुमति सार्वजनिक मार्ग खोदने से संबंधित प्रावधानों के तहत अपराध कराया है। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध निर्माण, बिना अनुमति सड़क कटिंग, पाइप लाइन से छेड़छाड़ अथवा निगम की किसी भी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। विधिवत लें अनुमति नहीं तो होगी एफआईआरनगर निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय ने कहा कि निगम की जल प्रदाय पाइप लाइन, सड़क एवं अन्य सार्वजनिक संपत्तियां आम जनता की सुविधा के लिए निर्मित की जाती हैं। इनसे किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ या बिना अनुमति सड़क खोदाई करना गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

न पैकिंग, न एक्सपायरी डेट का जिक्र, पानी पाउच का कारोबार बिना जांच के जोरों पर

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले का मौजूदा तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच चल रहा है। भीषण गर्मी के चलते लोगों का गला भी सूख रहा है। गला तर करने के लिए लोग पाउच बंद पानी की मांग कर रहे हैं। बिक्री में अप्रत्याशित उछाल आ गया है। सामान्य व्यक्ति ढाई से तीन रुपये में बिकने वाले पाउच बंद पानी को खरीदकर प्यास बुझा रहा है। इसका फायदा पानी प्लांट चलाने वाले उठा रहे हैं, जो पानी पाउच बाजार में भेज रहे हैं। इस फैक्टरी मेड पानी के पाउच पर न तो पैकिंग तिथि ही अंकित है और न ही एक्सपायरी डेट। दुकानदार इन पाउचों को ऊंचे दामों पर बेच कर मुनाफा कमा रहे हैं। गर्मियों का मौसम शुरू होते ही पानी की खपत बढ़ गई है। इसका फायदा पानी का प्लांट चलाने वाले संचालक उठा रहे हैं। जो बिना पैकिंग तिथि और एक्सपायरी डेट के ही पानी पाउच की बिक्री कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि 10 दिन में पाउच वाला पानी पीने योग्य नहीं रहता है। ऐसे में लोगों के लिए यह समझ पाना मुश्किल है कि वह कितना पुराना पानी पी रहे हैं। जानकारी के अभाव में पाउच का पानी लोग धड़ल्ले से प्रयोग कर प्यास बुझा रहे हैं।

कही बोर का पानी ठंडा कर तो नहीं दिया जा रहा

कई जगहों पर आरो व फिल्टर पानी के नाम पर सीधे बोर के पानी को ठंडा कर दिए जाने का भी मामला सामने आया है। कहीं जिले के पानी प्लांट में भी तो सीधे बोर का पानी ठंडा कर तो नहीं दिया जा रहा है। फिलहाल वर्तमान में पानी की जांच भगवान भरोसे चल रही है।

कैसे मानें पानी है शुद्ध

बड़े शहरों की तर्ज पर अब जिले में भी जगह-जगह मिनरल वाटर ठंडे पानी का कारोबार जोरों पर है। बंद बोतल व पाउच में ठंडा व मिनरल वाटर देने के नाम पर खेल चल रहा है। न जांच न माप। बिना किसी लैब जांच के सीधे बोर के पानी को ठंडा कर बेचा जा रहा है, जिसे लोग पीकर बीमार भी पड़ सकते हैं। दुकानों में बिक रहे पानी पाउच में सबसे ज्यादा दिक्कत है। कई कंपनियों ने पानी पाउच की पैकिंग व एक्सपायरी तिथि का जिक्र नहीं किया है। लोग इसे खरीदकर पी रहे हैं। गर्मी के दिनों में लोगों को ठंडा पानी चाहिए, इसलिए डिमांड अधिक रहती है। प्रशासन की अनदेखी के कारण बिना मेन्युफैक्चरिंग डेट के ही पानी के पाउच धड़ल्ले से बिक रहे हैं। गर्मी की शुरुआत के साथ ही बाजार में पानी पाउच की बिक्री भी बढ़ गई है। बाजार में बिकने वाले इस पाउच पर निर्माता कंपनी के नाम सहित ये हिदायत स्पष्ट अक्षरों में लिखी जा रही है कि पाउच पैकिंग तिथि के 1 माह तक ही पाउच का पानी अच्छा रहेगा। लेकिन पाउच पर कहीं भी पैकिंग की तारीख नहीं लिखी है। यानी अब उपभोक्ता के लिए इस पानी के शुद्ध होने का कोई पैमाना ही बाकी नहीं रह गया है। लिहाजा आमतौर पर उपभोक्ता बिना किसी जांच पड़ताल के ही इस पानी का उपयोग कर रहे हैं। यदि पानी काफी पुराना हुआ तो उपयोग करने वाले व्यक्ति के स्वास्थ्य पर इस पानी का बुरा असर पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

अपेक्स बैंक के पास सड़क पर धराशायी हुआ बड़ा पेड़, बड़ी वाहनों की आवाजाही में आई भारी दिक्कत

मेन रोड पर गिरे कई विशाल पेड़, बरमकेला में आंधी-तूफान और तेज बारिश का कहर

बरमकेला/मूक पत्रिका

बुधवार की शाम बरमकेला क्षेत्र में मौसम ने अचानक ऐसा करवट बदला कि कुछ ही मिनटों में पूरा इलाका तेज आंधी, तूफान और मूसलाधार बारिश की चपेट में आ गया। दिनभर मौसम सामान्य बना हुआ था और लोगों को बारिश की कोई खास संभावना नजर नहीं आ रही थी। शाम करीब 5 बजे तक आसमान साफ था और बाजारों में सामान्य चहल-पहल बनी हुई थी, लेकिन शाम लगभग साढ़े पांच बजे अचानक तेज हवाएं चलनी शुरू हो गई। देखते ही देखते आसमान में काले बादल छा गए और तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई।आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई स्थानों पर पेड़ और बड़ी-बड़ी डालियां टूटकर सड़क पर गिर गई। बरमकेला के सारंगढ़ मेन रोड स्थित अपेक्स बैंक के पास एक विशाल पेड़ अचानक सड़क पर धराशायी हो गया। पेड़ गिरने से सड़क का बड़ा हिस्सा बाधित हो गया और कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित होने लगा।छोटी गाड़ियां और दोपहिया वाहन चालक किसी तरह सावधानीपूर्वक निकलते रहे, लेकिन बड़ी वाहनों को सड़क पार करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने मिलकर रास्ता साफ करने की कोशिश भी की, ताकि यातायात पूरी तरह बंद न हो। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज तूफान के कारण कुछ देर के लिए लोगों में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई थी। कई लोग दुकानों और घरों में छिपकर मौसम शांत होने का इंतजार करते रहे।

तेज हवाओं के कारण जगह-जगह पेड़ों की डालियां टूटकर बिखर गई। बारिश इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में सड़क किनारे पानी भर गया और कई जगह कीचड़ की स्थिति बन गई। जानकारी के मुताबिक बरमकेला से सारंगढ़ तक करीब 4 से 5 छोटे-बड़े पेड़ मुख्य सड़क पर गिरे पाए गए। कई स्थानों पर पेड़ बिजली तारों के बेहद करीब गिरने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रही। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस पूरे घटनाक्रम में किसी प्रकार की जनहानि की खबर सामने नहीं आई है। ग्रामीणों ने बताया कि अचानक मौसम खराब होने के कारण खेतों और बाजारों में मौजूद लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। कुछ दोपहिया वाहन चालक पेड़ों के नीचे फंसने से बाल-बाल बचे। तेज हवा के कारण कई जगह टीन शेड और कमजोर ढांचे भी हिलते दिखाई दिए।वहीं मौसम में अचानक आए बदलाव के बाद क्षेत्र में तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली। मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी तेज हवा और बारिश की संभावना जताई गई है, जिसके चलते लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

पवनी सुशासन शिविर में नगरवासियों से मिले 192 आवेदन, 13 निराकृत

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

नगर पंचायत पवनी में सुशासन तिहार के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद स्कूल परिसर में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली और विभिन्न विभागों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने रहे। शिविर में कुल 192 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मांग संबंधी 168 आवेदन एवं शिकायत संबंधी 24 आवेदन शामिल रहे। प्राप्त आवेदनों में से 13 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया, जिससे हितग्राहियों में खुशी देखी गई।महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जहां छोटे बच्चों को अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड का वितरण भी किया गया।शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया, जहां नगरवासियों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर आवश्यक परामर्श प्राप्त किया। इसके अलावा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई तथा आमजनों की समस्याएं सुनी गई।सुशासन तिहार शिविर के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।

घटोली चौक पर हाइवा की टक्कर से युवक की मौत, मुआवजे को लेकर 3 घंटे चक्काजाम

चांपा/मूक पत्रिका

घटोली चौक के पास गुरुवार को तेज रफ्तार हाइवा वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान आकाश पटेल (21 वर्ष) पिता शैलेंद्र पटेल, निवासी दर्री (बाराद्वारङ्कसरहर) के रूप में हुई है। हादसे के बाद क्षेत्र में अफ्रा-तफ्री मच गई और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाइवा की टक्कर से युवक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़ा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही चांपा पुलिस मौके पर पहुंची और हाइवा चालक को हिरासत में ले लिया। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने घटोली चौक रोड पर चक्काजाम कर दिया। मुआवजे की मांग को लेकर लोगों का आक्रोश इतना अधिक था कि शव को सड़क पर ही रख दिया गया। चक्काजाम करीब 2 से 3 घंटे तक चला, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। मौके पर तहसीलदार प्रशांत पटेल और चांपा थाना प्रभारी अशोक वैष्णव पहुंचे और लोगों को समझाइश देने का प्रयास किया। चिलचिलाती धूप में अधिकारी, पुलिस बल और ग्रामीण लंबे समय तक सड़क पर खड़े रहे। शव भी लगभग 2 से 3 घंटे तक सड़क पर रखा रहा। तहसीलदार द्वारा तत्काल पारिवारिक सहायता राशि 75 हजार रुपये देने की घोषणा की गई। इसमें 50 हजार रुपये वाहन मालिक की ओर से तथा 25 हजार रुपये शासन की ओर से दिए गए। मुआवजे की राशि मिलने के बाद परिजन और ग्रामीण शांत हुए, जिसके बाद शव को सड़क से हटाया गया और यातायात धीरे-धीरे बहाल हो सका। घटना को लेकर क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। लोगों ने भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर रोक लगाने और सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग की है।

आओ एक नजर कानूनी जानकारी पर मानहानि का मतलब: मणिशंकर दिवाकर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

आज हम जिस भारत देश में निवास करते है वहाँ की नीति नियम भारतीय संविधान के अनुसार चलता है जो कि पूरे भारत में मान्य है जिसे आप हम? सभी जानते है आज हम कुछ विशेष जानकारी को आप तक साझा करना चाह रहे हैं जी हाँ साथियों आप सभी जानकर और हम सभी भारत के नागरिक है और सभी को स्वतंत्रता एवं समानता का पूर्ण अधिकार है , आमतौर किसी वाद विवाद की स्थिति में किसी आम जनों से यह कभी ना कभी कोई जगह सुने ही होंगे, मानहानि का मतलब किसी व्यक्ति विशेष के द्वारा , संस्था या समूह के बारे में झूठ बोलकर या लिखकर उनकी मान/सम्मान /प्रतिष्ठा को जानबूझकर नुकसान पहुँचाते हैं तो यह किसी की इज्जत, मान-सम्मान को ठेस पहुँचाने वाला असत्य बयान व्यक्त करते है तो भारत में अब यह भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 के तहत एक आपराधिक अपराध है। मानहानि के प्रमुख मुख्य पहलू और उदाहरण इस प्रकार से है : प्रकारः यह लिखित या मौखिक हो सकती है।

उदाहरण के तौर पर - सोशल मीडिया पर किसी के बारे में झूठ फैलाना, अखबार में गलत खबर छापना, सार्वजनिक रूप से झूठे आरोप लगाना जिसके परिणाम इसमें पीड़ित व्यक्ति हर्जाने के लिए सिविल मुकदमा करने का पूर्ण अधिकार रखता है या आपराधिक शिकायत दर्ज करा सकता है।

आप लोगों को बता दूं कि मानहानि के पर्यायवाची /समानार्थी के अनेक रूप हुऐ जओ कि निम्न प्रकार से है जैसे - 1/बदनामी, 2/निंदा, 3/अपमान, प्रतिष्ठा को क्षति पहुँचाना। कानूनी स्थिति (भारत):पूर्व में: भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (परिभाषा) और 500 (दंड) प्रावधान रहा है जिसे परिवर्तन कर वर्ष 2023 में संशोधन किया गया यह वर्तमान में भारतीय न्याय संहिता (ङ्कहस) की धारा 356(1) और 356(2) पर विधि अनुसार लागू किया गया जो स्वीकार एवं मान्य है।

सीमावर्ती जंगल में नक्सल डंप का खुलासा,कोयलीबेड़ा में जवानों की बड़ी कार्रवाई, प्रेशर क्रुकर IED मौके पर किया निष्क्रिय

BSF-DRG की संयुक्त कार्रवाई सफल

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। थाना कोयलीबेड़ा पुलिस, डीआरजी टीम एवं बीएसएफ 40वीं वाहिनी की संयुक्त कार्रवाई में कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती जंगल क्षेत्र से नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री एवं नक्सल डंप बरामद किया गया। वहीं मौके पर मिले प्रेशर कुकर ढ्ढश्वष्ठ को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुंदरराज पी. के मार्गदर्शन, डीआईजी बीएसएफ भानुप्रतापपुर दीपक तिवारी, पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल कुमार राखेचा एवं बीएसएफ 40वीं वाहिनी के सेनानी रणधीर सिंह गिल के निर्देशन में क्षेत्र में लगातार सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 13 एवं 14 मई को ग्राम डोमांज, आमाकोल एवं गढकाल के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में संयुक्त टीम ने सर्चिंग की कार्रवाई की। सर्चिंग के दौरान जवानों ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया नक्सल डंप बरामद किया। बरामद सामग्री में 50 नग बीजीएल सेल, 2 प्रेशर कुकर ढ्ढश्वष्ठ, 2 पाइप ढ्ढश्वष्ठ, बिजली वायर, 5 पेट्रोल बम एवं कॉर्डेक्स वायर शामिल हैं। इनमें से एक प्रेशर कुकर ढ्ढश्वष्ठ को मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय किया गया। सुरक्षाबलों की सतर्कता और लगातार चलाए जा रहे अभियान से नक्सलियों की विध्वंसक गतिविधियों पर लगातार अंकुश लगाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में सर्चिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। कार्रवाई में डीआरजी एवं बीएसएफ 40वीं वाहिनी के अधिकारी और जवान शामिल रहे, जिनकी मुस्तैदी से यह बड़ी सफलता हासिल हुई।

सुशासन शिविर में तत्काल बनाया गया आयुष्मान, आयुष्मान वय वंदन, राशन कार्ड, आधार कार्ड और ई-श्रम कार्ड

सुशासन तिहार शिविर में नागरिकों सुविधाओं का अम्बार

एग्रीस्टेक पंजीयन, महतारी वंदन योजना का ई-केवाईसी और निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था भी शिविर में उपलब्ध

सुशासन के हिर्री शिविर में 20 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने लिया हिस्सा

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशव्यापी 'सुशासन तिहार 2026' अब जनविश्वास का महाअभियान बन चुका है। इसी कड़ी में गुरुवार को बरमकेला विकासखंड के ग्राम पंचायत हिर्री में आयोजित क्लस्टर स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में जिला प्रशासन सीधे ग्रामीणों के पास पहुँचा। शिविर में 20 ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया, जहाँ कुल 505 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू,सत्ताधारी दल के वरिष्ठ राजनीतिक सदस्य जगन्नाथ पाणिग्राही, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी इंद्रजीत वर्मन एसडीएम वर्षा बंसल सहित प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा बारी बारी से योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई।

शिविर की प्रमुख उपलब्धियां और त्वरित सेवाएं- सुशासन तिहार शिविर में नागरिकों को सुविधाओं का अम्बार प्राप्त हो रहा है। हिर्री में आयोजित इस शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर मौके पर ही एग्रीस्टैक पंजीयन, राशन कार्ड, आधार कार्ड, ई-श्रम कार्ड और महतारी वंदन योजना की ई-केवाईसी जैसी सुविधाएं तत्काल प्रदान की गई।आयुष्मान कार्ड और वय वंदन कार्ड निर्माण के साथ-साथ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

हितग्राहियों को मिली राहत की सौगात- शिविर में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, जगन्नाथ पाणिग्राही, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय नायक, सदस्य अभिलाषा नायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का सीधा लाभ देते हुए सामग्री, कार्ड आदि वितरित किया गया। शिविर में कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा महिला बाल विकास विभाग अंतर्गत शिशुओ को अन्न प्रासन्न एवं गर्भवती महिलाओं का गोदभराई कर उन्हें सुपोषण टोकरी प्रदान किया गया।

त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026: बेमेतरा जिले के लिए प्रेक्षक नियुक्त , निर्वाचन तैयारियों में तेजी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 के अंतर्गत बेमेतरा जिले हेतु श्री अरविन्द कुमार पाण्डेय को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। श्री पाण्डेय वर्तमान में रायपुर विकास प्राधिकरण, रायपुर में अपर मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर पदस्थ हैं।निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रेक्षक महोदय के सहयोग, समन्वय एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए श्री आशीष कुमार गोलछा, अनुविभागीय अधिकारी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, बेरला को लायजनिंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। लायजनिंग ऑफिसर के रूप में श्री गोलछा निर्वाचन संबंधी गतिविधियों के दौरान प्रेक्षक को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने, भ्रमण कार्यक्रम के समन्वय, अधिकारियों से संपर्क स्थापित करने तथा प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाएंगे। जिला प्रशासन द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

बस स्टैंड से मां-बेटे रहस्यमयी तरीके से लापता... 8 दिन बाद भी नहीं मिला सुराग, पति-पिता मिनकेतन यादव का रो-रो कर बुरा हाल'

लैलूंगा/मूक पत्रिका

लैलूंगा क्षेत्र से एक बेहद चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां ग्राम भकुरा निवासी ममिता यादव अपने 3 वर्षीय मासूम पुत्र ललित यादव के साथ बीते 06 मई 2026 से रहस्यमयी तरीके से लापता हैं। घटना के बाद से पूरा परिवार सदमे में है और पति-पिता मिनकेतन यादव लगातार पत्नी और बेटे की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। परिजनों के अनुसार, ममिता यादव को अंतिम बार लैलूंगा बस स्टैंड में दोपहर लगभग 3 बजे से 4 बजे के बीच देखा गया था। इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल पाया है। परिवार ने आसपास के रिश्तेदारों, परिचितों और संभावित स्थानों पर खोजबीन की, लेकिन अब तक कोई जानकारी हाथ नहीं लगी।मामले को लेकर लैलूंगा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी मां-बेटे का कोई सुराग नहीं मिलने से परिवार की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों और परिजनों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द खोजबीन तेज की जाए। क्षेत्र में इस घटना को लेकर लोगों में चिंता और चर्चा का माहौल बना हुआ है।गुमशुदगी सूचनानाम – ममिता यादवपति – मिनकेतन यादवपुत्र – ललित यादव (उम्र लगभग 3 वर्ष)निवासी – ग्राम भकुरा, तहसील लैलूंगा, जिला रायगढ़ (छत्तीसगढ़)यदि किसी व्यक्ति को मां-बेटे के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त हो, तो तत्काल नजदीकी थाना अथवा नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें– संपर्क नंबर : 9301514881आपकी एक छोटी सी सूचना एक परेशान परिवार को उनके अपनों से मिला सकती है।

सरिया में डीजल के लिए मची अफरा-तफरी, 4 में से सिर्फ 1 पंप में पहुंचा स्टॉक, रात तक लगी रही लंबी लाइन..

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले के सरिया और आसपास के क्षेत्र में डीजल की भारी किल्लत अब विकराल रूप लेने लगी है। हालत यह हो गई कि क्षेत्र के चार पेट्रोल पंपों में से सिर्फ एक पंप में डीजल पहुंचते ही वहां लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, चार पहिया वाहन, बाइक और डब्बा लेकर पहुंचे लोगों की इतनी भीड़ लग गई कि मौके पर मारामारी जैसी स्थिति बन गई।

एक साथ पहुंचे 500 से ज्यादा लोग- गुरुवार दोपहर सरिया के कांदुरपाली रोड स्थित गौरीशंकर फ्यूल्स में जैसे ही डीजल सप्लाई पहुंचने की खबर फैली, वैसे ही आसपास के गांवों से लोग बड़ी संख्या में वहां पहुंच गए। देखते ही देखते पेट्रोल पंप के बाहर वाहनों की लंबी कतार लग गई। किसान, वाहन चालक और हार्वेस्टर संचालक घंटों लाइन में खड़े रहे।

लोग डब्बा रखकर लाइन में लगे रहे और अपनी बारी आने के का इंतजार करता रहे। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि पंप स्टाफको व्यवस्था संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सीमित मात्रा में दे रहे डीजल - पंप संचालक- पेट्रोल पंप संचालक मनीष कुमार अग्रवाल ने बताया कि पिछले एक से डेढ़ महीने से डीजल की कमी बनी हुई है। उन्होंने कहा कि जैसे ही लोगों को डीजल सप्लाई आने की जानकारी मिली, अचानक भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थिति को संभालने के लिए सभी को सीमित मात्रा में केवल 2000-2000 रुपए का डीजल दिया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों का काम चल सके। उन्होंने कहा कि सीमित स्टाफ के बीच एक साथ इतनी बड़ी भीड़ को संभालना काफी मुश्किल हो रहा है।

घंटों इंतजार के बाद मिला डीजल- ग्रामीण विजय अग्रवाल ने बताया कि 2000 रुपए का डीजल लेने के लिए घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ा। काफी इंतजार के बाद डीजल मिल पाया। उनका कहना है कि सरिया क्षेत्र में लगातार डीजल की कमी बनी हुई है, जिससे खेती-किसानी और अन्य काम प्रभावित हो रहे हैं। वहीं ग्रामीण प्रखर प्रधान ने बताया कि डीजल की कमी की वजह से हार्वेस्टर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि दोपहर 3 बजे से लाइन में लगे थे और शाम 6 बजे जाकर 2000 रुपए का डीजल मिला। किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है।

खेती और परिवहन दोनों प्रभावित- इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में खेती-किसानी से जुड़े काम तेजी से चल रहे हैं। ट्रैक्टर और हार्वेस्टर के लिए भारी मात्रा में डीजल की जरूरत होती है, लेकिन डीजल नहीं मिलने से कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। वहीं परिवहन और छोटे व्यवसाय से जुड़े लोग भी परेशान हैं।

सिर्फ एक पंप में डीजल, बिगड़े हालात- क्षेत्र में पेट्रोल का स्टॉक सामान्य बताया जा रहा है, लेकिन डीजल की भारी कमी बनी हुई है। सरिया क्षेत्र के चार पेट्रोल पंपों में से केवल एक पंप में डीजल उपलब्ध होने की वजह से लोग बड़ी संख्या में वहीं पहुंच गए।

इससे हालात असामान्य हो गए और पूरे इलाके में डीजल संकट चर्चा का विषय बन गया। लोगों का कहना है कि यदि जल्द डीजल की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हुई तो खेती, परिवहन और व्यापार पर इसका बड़ा असर देखने को मिल सकता है।

जनसमस्या निवारण शिविर में उमड़ा जनविश्वासः शासन की योजनाओं का मिला लाभ, हितग्राहियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र एवं सामग्री

विधायक दीपेश साहू ने अधिकारियों को मौके पर ही दिए त्वरित समाधान के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पंचायत क्षेत्र के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भीमभौरी में जनसमस्या निवारण शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में भीमभौरी क्लस्टर के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं, मांगें एवं आवेदन लेकर पहुंचे। जनसमस्या निवारण शिविर आमजन के लिए उनकी लंबित समस्याओं के समाधान का एक प्रभावी, संवेदनशील एवं भरोसेमंद मंच साबित हुआ। कार्यक्रम मे विधायक दीपेश साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। विधायक साहू ने शिविर में पहुंचकर स्वयं आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं तथा विभागीय अधिकारियों से प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, पारदर्शी एवं संवेदनशील तरीके से किया जाए, ताकि लोगों को कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।शिविर में आमजन की समस्याओं एवं मांगों से संबंधित कुल 177 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों में राजस्व, राशन कार्ड, पेंशन, आवास, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य एवं सामाजिक योजनाओं से जुड़े प्रकरण प्रमुख रूप से शामिल रहे। कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को समयसीमा में निराकरण हेतु प्रेषित किया गया। अधिकारियों ने हितग्राहियों को आश्वस्त किया कि सभी आवेदनों पर गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाएगी। जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से आम नागरिकों को शासन एवं प्रशासन की संवेदनशील कार्यप्रणाली का सकारात्मक अनुभव प्राप्त हुआ। इस दौरान विधायक साहू ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा मौके पर ही कई मामलों के निराकरण हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा विभाग के स्टॉल में स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत साइंस मॉडलों का अवलोकन कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना की।शिविर को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। यह केवल समस्याएं सुनने का मंच नहीं, बल्कि समाधान देने की शासन की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं बिना भेदभाव के पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रशासन को संवेदनशील और जवाबदेह बनाना शासन की प्राथमिकता है। हर आवेदन केवल एक कागज नहीं, बल्कि किसी नागरिक की अपेक्षा, अधिकार और विश्वास का प्रतीक है। इसलिए सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिकायत का समाधान गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए। विधायक साहू ने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा एवं बुजुर्ग सभी वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने तथा किसी भी समस्या के लिए बिना संकोच प्रशासन से संपर्क करने की अपील की।उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन का दायित्व है कि वे जनता के विश्वास पर खरे उतरें तथा उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य करें। स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए विधायक साहू ने कहा कि ÷स्वच्छ बेमेतरा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक भागीदारी से ही संभव है। यदि हम अपने घर, गली, मोहल्ले और गांव को स्वच्छ रखेंगे, तो पूरा क्षेत्र स्वच्छ और सुंदर बनेगा, जिससे हमारा जीवन स्तर और सोच दोनों सकारात्मक होंगे।÷

विभिन्न विभागों के स्टॉलों के माध्यम से दी गई योजनाओं की जानकारी- शिविर में स्कूली शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, वन विभाग, पशुधन विकास, श्रम विभाग, समाज कल्याण, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लीड बैंक, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री सड़क योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से नागरिकों को शासन की योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

हितग्राहियों को वितरित किए गए प्रमाण पत्र एवं सामग्री- शिविर में मत्स्य पालन विभाग द्वारा मछुआ समितियों को जैविक दवा का वितरण किया गया, जिससे तालाबों में मछलियों के लिए प्राकृतिक भोजन उपलब्ध होगा और उत्पादन में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराते हुए आवास की चाबी सौंपी गई। नोनी सुरक्षा योजना के तहत बालिकाओं को एलआईसी बीमा बांड प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खाताधारकों को पासबुक प्रदान की गई। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के हितग्राहियों को सम्मानित किया गया।

संपादकीय

नतीजों के बाद क्यों जल उठता है बंगाल?

पहले से ही वहां इस बात की आशंका लगातार बनी हुई थी कि चुनाव प्रचार के दौरान आक्रामक खींचतान का असर नतीजों के बाद टकराव के तौर पर सामने आ सकता है। पश्चिम बंगाल में चुनावों के दौरान और उसके बाद हिंसक घटनाओं का एक लंबा इतिहास रहा है। विडंबना यह है कि इस तरह की घटनाओं की निंदा तो सभी दल करते हैं, लेकिन उसे रोकने के लिए कुछ भी ऐसा नहीं किया जाता, ताकि हिंसा के हालात बनें ही नहीं।गौरतलब है कि राज्य में इस बार विधानसभा के लिए हुए चुनावों के दौरान कोई बड़ी हिंसक घटना सामने नहीं आई, लेकिन नतीजे आने के बाद जैसी खबरें आ रही हैं, उससे साफ है कि हिंसा का सहारा लेने वाले असामाजिक तत्त्वों को रोकने के मद्देनजर एहतियातन कुछ भी नहीं किया गया। नतीजतन, बुधवार को राज्य में भाजपा के कद्दावर नेता शुभेंदु अधिकारी के सहायक सहित पांच लोगों की हत्या की खबर आई। इसके अलावा, कई लोग घायल भी हुए।पहले से ही वहां इस बात की आशंका लगातार बनी हुई थी कि चुनाव प्रचार के दौरान आक्रामक खींचतान का असर नतीजों के बाद टकराव के तौर पर सामने आ सकता है। मगर ऐसी स्थितियों से निपटने में प्रशासनिक विफलता का ही यह नतीजा है कि राज्य में कई जगहों पर हिंसा और अराजकता के हालात पैदा हुए।सवाल है कि आखिर किन वजहों से राज्य प्रशासन इस बात का आकलन करने में नाकाम रहा कि चुनावी नतीजों के बाद मुख्य राजनीतिक पक्षों के बीच का तनाव हिंसा में भी फूट सकता है। चुनाव के दौरान बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की वजह से शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संभव हो सका, तो क्या ऐसा बाद में भी नहीं हो सकता था? राज्य के चुनावों में एक समय ऐसे तनाव और टकराव के पक्ष अलग थे, लेकिन वहां की सियासी तस्वीर में समय के साथ हुए बदलाव के बाद अब वहां के दो प्रतिद्वंद्वी दल मुख्य रूप से तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी हैं। करीब पंद्रह वर्ष बाद वहां तृणमूल कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने के बाद राज्य में कई जगहों पर सुरक्षा बलों की उपस्थिति के बावजूद हिंसक झड़प और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आईं।प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के कार्यालयों में तोड़फोड़, आगजनी और उनके समर्थकों तथा कार्यकर्ताओं के घरों तक पर हमले की खबरें यह बताती हैं कि राजनीतिक दलों के बीच अपने विरोधियों के प्रति लोकतांत्रिक उदारता दिखाने की औपचारिकता भी खत्म होती जा रही है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हिंसक घटनाओं के दो सौ से ज्यादा प्राथमिकी दर्ज की गई और करीब साढ़े चार सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। मगर जो काम पुलिस और प्रशासन ने स्थिति बेलगाम हो जाने के बाद किया, अगर पहले ऐसे कदम उठाए जाते, तो शायद कई जगहों पर हिंसा को रोका जा सकता था।यह समझना मुश्किल है कि जो लोग नाहक या फिर प्रतिक्रिया के तौर पर हिंसक गतिविधियों का सहारा लेते हैं, वे आखिर क्या हासिल करना चाहते हैं। फिर आक्रामकता और अराजकता का सहारा लेकर ऐसे लोग क्या साबित करना चाहते हैं?यह ध्यान रखने की जरूरत है कि लोकतांत्रिक परंपराओं में विश्वास रखने वाला कोई भी व्यक्ति चुनावी नतीजों का विश्लेषण करता है और परिपक्व तरीके से उस पर सभ्य प्रतिक्रिया देता है। अफसोस की बात यह है कि राजनीतिक दलों और उनके शीर्ष नेतृत्व की ओर से अपने समर्थकों को नियंत्रित रखने और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध या समर्थन जाहिर करने को लेकर शायद ही कभी कोई संदेश जारी किया जाता है।

प्रधानमंत्री द्वारा 'विदेशी मुद्रा बचाने' के आह्वान के राजनीतिक-आर्थिक निहितार्थ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी प्रकार की आपदा को अवसर में बदलना जानते हैं। पहले कृत्रिम वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19), फिर रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका/इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान भी उन्होंने कुछ ऐसा ही किया है। फिलवक्त मौजूदा वैश्विक संकट से भारत को निजात दिलाने और इससे प्रभावित हो रहे आम भारतीयों के हितों की रक्षा करने के लिए ही उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने, आयातित वस्तुओं का उपभोग मितव्ययिता पूर्वक करने और इनके मौजूद देशी विकल्प को आजमाते हुए स्थायी हल निकालने और उनपर निर्भर होने की दिशा में जनसहयोग का आह्वान करके सबको चौंका दिया है।

(कमलेश पांडे)

भारत-यूरोप की बढ़ती नजदीकियों और उसको निकट भविष्य में और अधिक बल देने वाली विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं पर अमल से चिढ़े अमेरिकी डीप स्टेट और उनके चीनी-अरबी पिट्ठुओं ने पहले ईरान को बर्बाद करने और फिर इंडिया को उसकी तपिश में झुलसाने की जो कुचक्र रची है, अब भारत उसकी भी काट ढूंढ चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी प्रकार की आपदा को अवसर में बदलना जानते हैं। पहले कृत्रिम वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-19), फिर रूस-यूक्रेन युद्ध और अब अमेरिका/इजरायल-ईरान युद्ध के दौरान भी उन्होंने कुछ ऐसा ही किया है। फिलवक्त मौजूदा वैश्विक संकट से भारत को निजात दिलाने और इससे प्रभावित हो रहे आम भारतीयों के हितों की रक्षा करने के लिए ही उन्होंने विदेशी मुद्रा बचाने, आयातित वस्तुओं का उपभोग मितव्ययिता पूर्वक करने और इनके मौजूद देशी विकल्प को आजमाते हुए स्थायी हल निकालने और उनपर निर्भर होने की दिशा में जनसहयोग का आह्वान करके सबको चौंका दिया है।

समझा जाता है कि अमेरिका, चीन, यूरोप और अरब के कुछ देशों के द्वारा लगातार भारत विरोधी षड्यंत्र किए जा रहे हैं। कोई अपना इस्लामिक एजेंडा भारत पर थोपना चाहता है तो कोई भारत-रूस के भरोसेमंद सम्बन्धों में पलीता लगाना चाहता है और कोई भारत को पाकिस्तान, बंग्लादेश और चीन के त्रिपक्षीय कुचक्र में उलझा कर अपना आर्थिक हित साधना चाहता है। जबकि, तेजी से आर्थिक और सैन्य उन्नति कर रहा 21वीं सदी का भारत अब रूस-ईरान-इजरायल के सहयोग से मध्य एशिया, पश्चिम एशिया और यूरोप के बाजारों तक पहुंच बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है।

भारत-यूरोप की बढ़ती नजदीकियों और उसको निकट भविष्य में और अधिक बल देने वाली विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं पर अमल से चिढ़े अमेरिकी डीप स्टेट और उनके चीनी-अरबी पिट्ठुओं ने पहले ईरान को बर्बाद करने और फिर इंडिया को उसकी तपिश में झुलसाने की जो कुचक्र रची है, अब भारत उसकी भी काट ढूंढ चुका है। इस बार भारत ने लोकल फ़ॉर वोकल और चीनी वस्तुओं के बहिष्कार करने की जगह विदेशी मुद्रा बचाने हेतु विभिन्न सकारात्मक पहल करने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मौजूदा सरकार अपनी त्रासदी से निपटने के लिए आपसे कोई सोना नहीं मांग रही है, बल्कि अगले 1 साल तक इनकी खरीदारी कम करने की बात कह रही है ताकि विदेशी मुद्रा बचे। इसी कड़ी में उन्होंने उन तमाम वस्तुओं का जिक्र बारी-बारी से किया और कहा कि इनपर विदेशी मुद्रा ज्यादा खर्च होते हैं, इसलिए अगले 1 साल तक इनका संयमित उपभोग कीजिए। दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित कीजिए।

स्पष्ट है कि यह सिर्फ देशभक्ति वाला संदेश नहीं होता; बल्कि यह आर्थिक संकेत भी होता है कि सरकार को वैश्विक अनिश्चितता, महंगे आयात, या डॉलर पर दबाव की चिंता है। ऐसा इसलिए कि जब विदेशी मुद्रा पर दबाव होता है, तब देश कोशिश करता है कि रुपये पर ज्यादा दबाव न पड़े, जरूरी आयात (तेल, दवा, रक्षा) जारी रह सकें, महंगाई नियंत्रित रहे, विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षित रहे। उल्लेखनीय है कि भारत की विदेशी मुद्रा कई बड़े क्षेत्रों में खर्च होती है, लेकिन सबसे ज्यादा खर्च आयात पर होता है।

अगर सबसे ज्यादा की बात करें, तो आमतौर पर क्रम कुछ ऐसा रहता है- 1. कच्चा तेल 2. इलेक्ट्रॉनिक्स/मशीनरी 3. सोना 4. रसायन/उर्वरक 5. रक्षा खरीद। हाल के वर्षों में भारत का सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा खर्च कच्चे तेल के आयात पर ही रहा है। उनके हाल के बयान की बात करें तो मौजूदा वैश्विक संकट (जैसे युद्ध, तेल कीमतें, सप्लाई-चेन दबाव) के बीच प्रधानमंत्री ने विदेशी मुद्रा बचाने की बात जब कही, तो इसका अर्थ आमतौर पर यह होता है कि भारत डॉलर में होने वाले खर्च को कम करे और आय बढ़ाए।

उल्लेखनीय है कि ऐसे आह्वानों के मुख्य बिंदु आमतौर पर ये होते हैं- आयात कम करना/ आत्मनिर्भरता बढ़ानाङ्क खासकर तेल, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, खाद्य तेल जैसी चीजों में विदेश निर्भरता घटाना। लोकल खरीदें और घरेलू उत्पादन बढ़ाने की बात इसी से जुड़ती है।

इसलिए प्रधानमंत्री द्वारा विदेशी मुद्रा बचाने की बात का राजनीतिक-आर्थिक मतलब संदर्भ पर निर्भर करता है, लेकिन आम तौर पर इसके कई स्तर होते हैं। इसके मायने क्या हैं? इसे ऐसे समझते हैं।

पहला, आर्थिक मायने- आयात बिल कम करने का संकेत। चूंकि भारत का बड़ा विदेशी मुद्रा खर्च तेल, सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स आयात पर होता है। लिहाजा जब सरकार विदेशी मुद्रा बचाने की बात करती है, तो अक्सर मतलब होता है- घरेलू उत्पादन बढ़ाओ (मेक इन इंडिया जैसी नीति), आयातित वस्तुओं पर निर्भरता घटाओ, ऊर्जा बचत या वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा दो और रुपये और व्यापार घाटे पर दबाव कम करो। क्योंकि अगर बहुत ज्यादा डॉलर बाहर जाते हैं तो रुपये पर दबाव पड़ सकता है और व्यापार घाटा बढ़ सकता है।

इसलिए विदेशी मुद्रा बचाने का संदेश बाजार को यह संकेत भी देता है कि सरकार बाहरी आर्थिक जोखिमों को लेकर सतर्क है। चूंकि ऊर्जा सुरक्षा का मुद्दा अहम है इसलिए तेल आयात महंगा होने पर सरकार कभी-कभी ईंधन बचत, एथेनॉल मिश्रण, इलेक्ट्रिक वाहन, या घरेलू उत्पादन पर जोर देती है ताकि डॉलर खर्च कम हो। वहीं, विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत रखने से आयात भुगतान, संकट प्रबंधन और निवेशकों का भरोसा बनाए रखने में मदद मिलती है।

दूसरा, राजनीतिक मायने- आत्मनिर्भरता की राजनीतिक कथा जैसा संदेश अक्सर देशी बनाम विदेशी निर्भरता या आत्मनिर्भरता के नैरेटिव से जुड़ता है—यानी आर्थिक राष्ट्रवाद का तत्व। वहीं जनता से व्यवहार परिवर्तन की अपील के पीछे कभी-कभी सरकार जनता से कुछ आदतें बदलने (जैसे ऊर्जा बचत, आयातित वस्तुओं का कम उपयोग) की नैतिक अपील करती है, ताकि नीति को सामाजिक समर्थन मिले। इससे कठिन आर्थिक समय का संकेत भी मिलता है।

स्पष्ट है कि यदि बयान ऐसे समय आए जब तेल महंगा हो, डॉलर मजबूत हो, या वैश्विक संकट हो, तो यह आर्थिक सावधानी का संकेत भी माना जा सकता है—हालाँकि जरूरी नहीं कि संकट ही हो। जहां तक नीतिगत फैसलों की पृष्ठभूमि तैयार करने की बात है तो ऐसे बयान आगे चलकर कुछ कदमों (आयात शुल्क, उत्पादन प्रोत्साहन, ऊर्जा नीति, निर्यात बढ़ावा) के लिए राजनीतिक आधार भी बना सकते हैं।

आइए, यहां पर हमलोग समझते हैं कि किन-किन वस्तुओं पर विदेशी मुद्रा ज्यादा खर्च होती है-

पहला, कच्चा तेल और पेट्रोलियम आयात- भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा तेल विदेशों से खरीदता है। इसलिए विदेशी मुद्रा का सबसे बड़ा खर्च तेल, गैस और पेट्रोलियम उत्पादों पर होता है। उदाहरण- ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) जैसी घरेलू कंपनियाँ उत्पादन करती हैं, फिर भी आयात बहुत अधिक है।

दूसरा, सोना आयात- भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना उपभोक्ताओं में है। ज्वेलरी और निवेश के लिए भारी मात्रा में सोना आयात किया जाता है, जिससे डॉलर में भुगतान करना पड़ता है।

तीसरा, इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी- मोबाइल फोन के पार्ट्स, सेमीकंडक्टर, कंप्यूटर उपकरण, औद्योगिक मशीनें आदि विदेशों से आती हैं। जैसे एप्पल इंक. या अन्य ब्रांडों के कंपोनेंट्स का आयात।

चौथा, रक्षा उपकरण- लड़ाकू विमान, हथियार, रक्षा तकनीक और सैन्य उपकरणों की खरीद पर भी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। उदाहरण- राफेल जैसे विमान खरीद।

पांचवां, रसायन, उर्वरक और दवाओं का कच्चा माल- खेती के लिए उर्वरक और दवा उद्योग के लिए कई सक्रिय रसायन विदेशों से मंगाए जाते हैं।

छठा, विदेश यात्रा और शिक्षा- भारतीय जब विदेश में पढ़ाई, इलाज, पर्यटन या बिज़नेस के लिए खर्च करते हैं, तब भी विदेशी मुद्रा बाहर जाती है।

सातवां, विदेशी कंपनियों को भुगतान- टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर लाइसेंस, रॉयल्टी, निवेशकों को मुनाफा आदि के रूप में भी डॉलर/विदेशी मुद्रा जाती है।

आठवां, ऊर्जा बचत- तेल आयात भारत का बड़ा विदेशी मुद्रा खर्च है। पेट्रोल-डीजल की खपत कम करना, गैस/बिजली की बचत, वैकल्पिक ऊर्जा अपनाना—इनका सीधा असर डॉलर बचत पर पड़ता है। वैश्विक संघर्षों से तेल आपूर्ति प्रभावित होने की चिंता सरकार ने भी जताई है।

नौवां, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा- विदेशी सामान की जगह भारतीय उत्पाद खरीदने से डॉलर बाहर कम जाता है। वोकल फॉर लोकल का आर्थिक मतलब यही है।

दसवां, निर्यात और निवेश बढ़ाना- विदेश से डॉलर कमाने के लिए निर्यात, सेवाएँ, और विदेशी निवेश आकर्षित करने पर जोर। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पश्चिम बंगाल में 10 काम जो सबसे पहले करना चाहेगी बंगाल की शुभेंदु सरकार, कुछ फैसलों से होगा देश पर असर

(सत्येंद्र प्रताप सिंह)

ममता बनर्जी अपनी पराजय के लिए भले ही एसआईआर को वजह बता रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर सत्ता विरोधी लहर थी। पराजय के बाद टीएमसी के नेता ही अब विफलताओं व कमियों को गिना रहे हैं। भाजपा भी इन विफलताओं व कमियों को भांपते हुए 10 कार्य जिन्हें प्राथमिकता के आधार पर जितना जल्द हो सके करना चाहेगी।

भाजपा के शीर्ष नेताओं में प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री शाह और यूपी के मुख्यमंत्री योगी के हर भाषण में घुसपैठ और भ्रष्टाचार मुख्य मुद्दा था। ऐसे में घुसपैठियों को रोकने के लिये और भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सरकार देना पहली प्राथमिकता होगी। कानून व्यवस्था को भी मजबूत व विश्वसनीय बनाना प्राथमिकता होगी। प्राथमिकता के आधार पर 10 कार्यों पर एक नजर डालते हैं।

01. बांग्लादेश से आने वाले घुसपैठियों पर रोक लगाना शुरू से ही भाजपा का एजेंडा रहा है। ऐसे में शुभेंदु सरकार पहला काम इसी मुद्दे पर करेगी। इसके लिए भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी मजबूत की जाएगी। घुसपैठियों को पहचान कर वापस भेजा जाएगा। बांग्लादेशी घुसपैठियों को शह देने वाले वालों पर सख्ती की जाएगी।

02. ममता बनर्जी के शासन में हुए भ्रष्टाचार, कट मनी, सिंडिकेट राज आदि को उजागर करने के लिए व्हाइट पेपर जारी किया जाएगा। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस के तहत भ्रष्ट नेताओं और अधिकारियों के खिलाफ जांच के आदेश दिए जाएंगे। साथ ही कट मनी संस्कृति को पूरी तरह खत्म किया जाएगा।

03. राजनीतिक हिंसा को पूरी तरह समाप्त करना और पुलिस प्रशासन को दलीय राजनीति से मुक्त कर भयमुक्त व निष्पक्ष बनाना। राजनीतिक प्रतिशोध में मामलों पर रोक लगाना ताकि पुलिस प्रशासन पर आम जनता का विश्वास लौट सके।

04. संदेशखाली और आरजीकर सरीखा कांड भविष्य में न हो इसके लिए महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाना और कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना। लखी भंडार की जगह अन्नपूर्णा भंडार लागू करना। इस योजना के तहत हर महीने 1 से 5 तारीख के मध्य 3 हजार रुपये ट्रांसफर करेगी। साथ ही महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 33त्न आरक्षण भी दिया जाएगा।

05. बेरोजगार युवाओं को 3 हजार रुपये का बेरोजगारी भत्ता देना। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए युवाओं को 15 हजार रुपये का फंड मिलेगा। वहीं भर्ती घोटालों से प्रभावित युवाओं को आयु सीमा में 5 साल की छूट दी जाएगी। युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया शुरू करने और एक करोड़ नौकरियां देने के लक्ष्य पर भी काम होगा।

06. औद्योगिकरण और रोजगार के लिए राज्य में बंद पड़े कल कारखानों को चालू कराना, नई इंडस्ट्री लाना और रोजगार के रास्ते खोलना प्राथमिकता होगी। सरकारी नौकरियों में रिक्त पदों को तेजी से भरना और पारदर्शिता लाना।

07. स्वास्थ्य सेवाओं का आधुनिकीकरण और सरकारी अस्पतालों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और चिकित्सा सुविधाओं को दुरुस्त करना। राज्य सरकार के स्वास्थ्य साथी कार्ड पर विचार और आयुष्मान भारत कार्ड पर निर्णय लेना।

08. इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के तहत ग्रामीण इलाकों में बेहतर सड़कें बनाना और मुख्य सड़कों से जोड़ना। पुरुलिया, मालदा, बालुरघाट जैसे हवाई अड्डों का परिचालन जितना जल्द हो सके सुनिश्चित करना। उत्तर बंगाल के विकास में रफ्तार लाना। खासकर, दार्जिलिंग हिल्स में गोरखा समुदाय की मांगों का स्थायी समाधान करना और उत्तर बंगाल में चार नए शहर विकसित करना।

09. डबल इंजिन सरकार आने के बाद किसानों को केंद्र का समर्थन दिलाना। कृषक बंधु योजना के अलावा पीएम-किसान सम्मान निधि जैसी केंद्रीय योजनाओं को पूर्ण रूप से लागू करना। जूट उद्योग को विशेष प्राथमिकता देना।

10. राज्य के सरकारी कर्मचारियों को लंबित 7वें वेतन आयोग का पूरा लाभ और भयमुक्त कामकाजी माहौल देना। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में कहा था कि सत्ता संभालते ही 45 दिनों के अंदर राज्य में 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू किया जाएगा। इसके तहत कर्मचारियों पेंशनभोगियों की तनख्वाह बढ़ाई जाएगी और उन्हें महंगाई भत्ते के बकाया का भुगतान किया जाएगा। बहरहाल, प्राथमिकता के 10 कार्यों में शुभेंदु सरकार की नजर कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास और औद्योगीकरण पर रहने की उम्मीद है। खजाना खाली है लेकिन डबल इंजिन सरकार बनने के बाद राज्य सरकार, केंद्र सरकार से उम्मीद तो कर ही सकती है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी वालों के फिरेंगे दिन

पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था।

(उमेश चतुर्वेदी)

विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है।

पश्चिम बंगाल के चुनाव नतीजे आ चुके हैं। शुभेंदु अधिकारी की अगुआई में राज्य में नई सरकार बन चुकी है। ममता बनर्जी की सरकार इतिहास के पन्नों में सिमट गई है। यूं तो हर चुनाव अभियान के साथ तमाम घटनाएं इतिहास में समाती रहती हैं। उनमें से कुछ का प्रभाव बरसों तक रहता है। पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव अभियान में एक घटना ऐसी घटी, जिसने ना सिर्फ पश्चिम बंगाल के वोटरों पर अमिट छाप छोड़ी, बल्कि बांग्ला खान-पान और संस्कृति से उन लोगों को भी परिचित करा दिया, जो उससे अब तक सर्वथा अपरिचित थे।

पश्चिम बंगाल ही नहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश, समूचे बिहार, झारखंड और उड़ीसा में झालमुढ़ी खानपान का अभिन्न अंग है। झालमुढ़ी में दो शब्द हैं। पहला शब्द है झाल, जिसका मतलब होता है तीखा..ऐसा तीखापन, जिसका असर सिर्फ जुबान पर ही नहीं महसूस हो, बल्कि जुबान की सिसियाहट के साथ नाक के रास्ते भी हल्की झलन का अहसास है। इस शब्द के मूल में है मुढ़ी, जिसे कहीं मुड़ी तो कहीं मुरमुरा तो कहीं मुर्ही कहा जाता है। इसमें प्याज, टमाटर, नमकीन, हरी मिर्च, सरसों तेल, नमक और भुना जीरा आदि डालकर जो मिश्रण तैयार किया जाता है, उसे झालमुढ़ी या झालमुड़ी कहा जाता है। इसी झालमुढ़ी को झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल के झारग्राम जिले में 19 अप्रैल के दिन चुनाव प्रचार के बीच सड़क पर उतर कर मात्र दस रूपए में खरीदकर जब प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद महिलाओं-बच्चों के साथ मिलकर खाया था। इसके साथ ही झालमुढ़ी इंटरनेट सर्च की दुनिया में पहले नंबर पर पहुंच गई।

झालमुढ़ी में कई बार भुने हुए चने भी मिलाए जाते हैं तो कई बार भीगे हुए कच्चे चने तो कई बार उस चने से बनी घुघनी। जिन्हें घुघुनी के बारे में पता नहीं है, उनकी जानकारी के लिए बता दें कि भीगे हुए चने को जीरा, हरी मिर्च के सरसों तेल में छौंक लगाने के बाद सूखा और कई बार प्याज-टमाटर आदि मिलाकर मसालों को साथ भी पकाया जाता है। पश्चिम बंगाल ही क्यों, पूरे पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड में मुढ़ी को विशेषकर शाम की चाय के वक्त खाया जाता है। इन इलाकों के स्कूलों, कॉलेजों के बाहर, कचहरियों में स्टेशन के सामने झालमुढ़ी के ठेले और खोमचे खूब दिख जाएंगे।

विशेषकर बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में मुढ़ी या मुड़ी तैयार की जाती है। इसके लिए पहले धान को उबाला जाता है, फिर उसे सुखाकर जो चावल निकाला जाता है, उसे भूनने के बाद मुढ़ी या मुड़ी का रूप मिलता है। इस तरह से कह सकते हैं कि मुढ़ी या मुड़ी सेला चावल का भुना हुआ रूप है। पश्चिम बंगाल और मिथिलांचल में तो मुढ़ी को पकौड़े के साथ भी खाया जाता है। पश्चिम बंगाल में तो इसे आलूचप के साथ विशेष रूप में पसंद किया जाता है। अब सवाल उठ सकता है कि आलूचप क्या होता है। दरअसल उबले आलू को मसलकर उसमें नमक, मसाले आदि मिलाकर उसकी टिक्की को

बनाया जाता है। फिर उसे बेसन में डुबोकर छाना जाता है। इसे ही आलूचप कहा जाता है। वैसे आलूचप पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा में खूब प्रचलित है। विशेषकर शाम की चाय के वक्त।

झालमुढ़ी का पश्चिम बंगाल की राजनीति से खास रिश्ता है। राजनीतिक, चुनावी आदि चर्चाओं में चाय के साथ सहज उपलब्ध झालमुढ़ी ही होती है। कई बार सिर्फ मुढ़ी भी खाया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में शादी-विवाह मुंडन-जनेऊ के हल्दी और मंडप बनाने के दिन विशेषरूप से लोगों को सिर्फ मुढ़ी मिठाई या गुड़ के साथ नाश्ते में दी जाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि पश्चिम बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कोलकाता के एक मैदान पर ममता बनर्जी ने बाबुल सुप्रियो के संग झालमुढ़ी खाया था। इसके जरिए उन्होंने अपनी विजय, भाजपा से बेफिक्री और अपने लोगों को संदेश दिया था।

उन्नीस अप्रैल को झारग्राम में झालमुढ़ी खरीदते वक्त पता नहीं प्रधानमंत्री मोदी को यह पता था कि नहीं, लेकिन उन्होंने इसके जरिए इतिहास रच दिया।

गांधी जी के बारे में कहा जाता है कि वे बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर थे। प्रधानमंत्री मोदी भी बड़े संचारक यानी कम्युनिकेटर हैं। मात्र दस रूपए की झालमुढ़ी के जरिए उन्होंने पश्चिम बंगाल के आम लोगों के दिलों तक जगह बना ली। उन्होंने अपनी पार्टी का संदेश सीधे हर घर तक पहुंचा दिया। जिन इलाकों में झालमुढ़ी खाई जाती है, उन इलाकों में देखेंगे तो हर राजनीतिक सम्मेलन, रैली आदि के दौरान बाहर इसके ठेले और खोमचे लगे होते हैं। कई बार नेताओं के इंतजार में वक्त काटने तो कई बार तात्कालिक भूख मिटाने का जरिया यह झालमुढ़ी ही होती है। स्कूलों, कॉलेजों और कचहरियों के आसपास झालमुढ़ी और चने-चबेने के खोमचे और ठेले आपको पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुतायत से मिल जाएंगे। हाट-बाजार में भी शाम की चाय के वक्त का इन इलाकों का सबसे आसानी से सस्ते में उपलब्ध और पसंदीदा स्नैक यह झालमुढ़ी ही है। झालमुढ़ी आम लोगों और आम दुकानदारों से जुड़ने का भी सबसे बड़ा जरिया है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने झारग्राम में सड़क किनारे की झालमुढ़ी की दुकान को चुना और महज दस रूपए की झालमुढ़ी के ठोंगे यानी लिफाफे के जरिए पश्चिम बंगाल के करोड़ों दिलों तक जगह बना ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। झालमुढ़ी उनके इन दोनों नारों का भी प्रतिनिधित्व करता है। झालमुढ़ी और उसमें शामिल किए जाने तत्वों को स्थानीय स्तर पर ही तैयार किया जाता है, स्थानीय लोगों में यह सर्वाधिक लोकप्रिय है और इसके जरिए स्थानीय स्तर पर एक पूरी श्रृंखला की रोजी-रोटी चलती है। इसलिए यह आत्मनिर्भर भारत का भी प्रतीक है। चूंकि इसे खरीदने और खाने से स्थानीय रोजगार और पैदावार को सहयोग मिलता है, इसलिए यह वोकल फॉर लोकल के भी नजदीक है।

पश्चिम बंगाल में अब सरकार बन चुकी है। सरकार बनने और जीत हासिल करने के बाद बीजेपी और उसके नेताओं ने झालमुढ़ी की पार्टियां की हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की सरकार राजनीतिक विमर्श का जरिया बनी झालमुढ़ी और उस पर निर्भर लोगों की भलाई की दिशा में जरूर कदम उठाएगी।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कौशल विकास को मिला नया आयाम : कलेक्टर ने लाइवलीहुड कॉलेज का किया निरीक्षण, प्रशिक्षणार्थियों से की विस्तृत चर्चा

नल-जल वितरण संचालक एवं प्लम्बर कोर्स के हितग्राहियों को वितरित किए टूलकिट, लैब उन्नयन के दिए निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में संचालित कौशल विकास गतिविधियों एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति का अवलोकन करने हेतु कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ÷नल-जल वितरण संचालक÷ एवं ÷प्लम्बर÷ कोर्स में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हितग्राहियों से विस्तारपूर्वक संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता, रोजगार की संभावनाओं तथा स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी ली।कलेक्टर ने प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम बनती जा रही है। शासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक युवा को ऐसा प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, जिससे वह न केवल रोजगार प्राप्त कर सके, बल्कि स्वयं का कार्य प्रारंभ कर आर्थिक रूप से सशक्त भी बन सके। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन, निर्माण कार्यों एवं शहरी-ग्रामीण विकास योजनाओं में प्रशिक्षित प्लम्बर एवं नल-जल वितरण संचालकों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मैडम ने प्रशिक्षण कक्षों, प्रायोगिक लैब एवं उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण को और अधिक व्यवहारिक, आधुनिक एवं उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप बनाया जाए, ताकि प्रशिक्षणार्थियों को वास्तविक कार्यक्षेत्र में बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें।उन्होंने आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण लैबों को अपग्रेड करने, नवीन उपकरण उपलब्ध कराने तथा तकनीकी संसाधनों को सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर मैडम ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं एवं उन्नत प्रयोगशालाओं से युक्त प्रशिक्षण संस्थान युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज केवल प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं तकनीकी रूप से सक्षम प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, तो वे भविष्य में आत्मनिर्भर बनकर जिले के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु टूलकिट का वितरण भी किया गया। कलेक्टर मैडम के करकमलों से हितग्राहियों को आवश्यक उपकरणों से युक्त टूलकिट प्रदान किए गए, जिससे वे प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सकें। टूलकिट प्राप्त कर हितग्राहियों में उत्साह का वातावरण देखा गया तथा उन्होंने जिला प्रशासन एवं शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज के अधिकारी-कर्मचारी, प्रशिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़कर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

सुरक्षित भविष्य के लिए एचपीवी टीकाकरण अपनाएं — कैंसर से बचाव पाएं

जिला बेमेतरा में एचपीवी टीकाकरण अभियान जारी, विधायक दीपेश साहू एवं नगर अध्यक्ष विजय सिन्हा ने की जागरूकता की अपील

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला चिकित्सालय बेमेतरा सहित जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं उन सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में, जहां कोल्ड चैन प्वाईंट स्थापित हैं, एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान के तहत विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान का शुभारंभ 28 फरवरी 2026 को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर तथा छत्तीसगढ़ में राज्य स्तर पर स्वास्थ्य मंत्री द्वारा किया गया। एचपीवी टीकाकरण महिलाओं में होने वाले गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सुरक्षित एवं प्रभावी उपाय माना जाता है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह टीका किशोरियों को भविष्य में होने वाले कैंसर के जोखिम से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। टीकाकरण के लिए वही किशोरियां पात्र होंगी जिन्होंने अपना 14वां जन्मदिन पूर्ण कर लिया हो, लेकिन 15वां जन्मदिन अभी नहीं मनाया हो। आयु प्रमाण के लिए आधार कार्ड अथवा अन्य फोटो पहचान पत्र मान्य किया जाएगा। टीकाकरण से पूर्व माता-पिता अथवा अभिभावक से सहमति पत्र भरवाकर निःशुल्क एचपीवी टीका लगाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि एचपीवी टीका पूरी तरह सुरक्षित है तथा विश्वभर में करोड़ों लोगों को यह टीका लगाया जा चुका है। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने विधानसभा क्षेत्र के समस्त नागरिकों एवं अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव हेतु एचपीवी टीकाकरण को प्राथमिकता दें तथा निर्धारित आयु वर्ग की बालिकाओं को समय पर टीका अवश्य लगवाएं। उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीन महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह टीका भविष्य में होने वाले गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के जोखिम को कम करने में प्रभावी माना गया है। विधायक साहू ने अभिभावकों से किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रांति पर ध्यान न देने तथा स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार टीकाकरण कराने की अपील की। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों से भी अधिक से अधिक लोगों को एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया, ताकि समाज को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित बनाया जा सके। नगर पालिका बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिन्हा ने भी शहरी क्षेत्र के नागरिकों से अनुरोध करते हुए कहा कि वे जिला चिकित्सालय में आयोजित टीकाकरण सत्र में अपनी 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी पुत्रियों एवं बालिकाओं को एचपीवी टीका अवश्य लगवाएं तथा अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। विधायक दीपेश साहू ने कहा कि – ÷स्वस्थ बेटियां ही सुरक्षित और समृद्ध समाज की आधारशिला हैं।÷

प्रबंधन पर बढ़ता दबाव, भय के साये में काम कर रहे अधिकारी-कर्मचारी

दैवेभो कर्मियों की हड़ताल से चरमराई बीज निगम की व्यवस्था

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल अब पूरे निगम के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। हड़ताल के चलते निगम का संपूर्ण कार्य प्रभावित हो गया है और इसका असर प्रदेशभर के बीज भंडारण केंद्रों, वितरण व्यवस्था तथा प्रशासनिक कार्यों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि कार्यों के ठप पडने से प्रबंधन स्तर पर बेचौनी बढ़ गई है, वहीं दूसरी ओर प्रदेशभर के बीज प्रबंधक भारी दबाव और भय के वातावरण में कार्य करने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर शुरू हुई हड़ताल अब व्यापक रूप ले चुकी है। कर्मचारियों के कार्य से दूर रहने के कारण बीज निगम के नियमित संचालन पर गहरा असर पड़ा है। बीज गोदामों में लोडिंग-अनलोडिंग, बीजों के रखरखाव, रिकॉर्ड संधारण, वितरण व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक कार्य लगभग प्रभावित हो चुके हैं। इसका सीधा असर किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पर भी पड़ सकता है। सूत्रों का कहना है कि हड़ताल की वजह से प्रदेशभर के बीज प्रबंधकों पर अत्यधिक दबाव बनाया जा रहा है। उच्च प्रबंधन की ओर से लगातार कार्यों को सुचारू रखने का दबाव डाला जा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर कर्मचारियों की कमी के कारण कार्य कराना लगभग असंभव हो गया है। ऐसी स्थिति में कई बीज प्रबंधक मजबूरीवश आउटसोर्स कर्मचारियों की मांग करने को विवश हो रहे हैं, ताकि कार्य किसी प्रकार चलता रहे और उनके ऊपर किसी प्रकार की प्रतिकूल प्रशासनिक कार्रवाई न हो। निगम के भीतर भय और असुरक्षा का माहौल इतना गहरा बताया जा रहा है कि कोई भी नियमित कर्मचारी खुलकर अपनी बात रखने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। कर्मचारियों के बीच यह धारणा बन चुकी है कि यदि किसी ने भी वर्तमान हालात पर सवाल उठाया या प्रबंधन के समक्ष वास्तविक स्थिति रखने का प्रयास किया, तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है या उसकी वार्षिक वेतनवृद्धि रोकने जैसी दंडात्मक कार्रवाई हो सकती है। इसी भय के कारण अधिकांश कर्मचारी मौन रहने को मजबूर हैं। बीज प्रबंधकों का कहना है कि वे एक तरफकार्यों को संभालने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों की कमी और बढ़ते प्रशासनिक दबाव के कारण मानसिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उनका मानना है कि जब तक दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं निकाला जाएगा, तब तक निगम की कार्यप्रणाली सामान्य होना मुश्किल है। दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का आरोप है कि उनकी मांगें लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन प्रबंधन द्वारा गंभीरता से समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। कर्मचारियों का कहना है कि यदि समय रहते उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया गया होता, तो आज निगम को इस स्थिति का सामना नहीं करना पड़ता।हड़ताल के चलते निगम के भीतर प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच संवादहीनता की स्थिति बनती जा रही है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि दबाव और भय का वातावरण बनाकर समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। इसके बजाय प्रबंधन को संवेदनशीलता दिखाते हुए वार्ता के माध्यम से कर्मचारियों की मांगों का समाधान करना चाहिए।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं निकाला गया तो इसका व्यापक असर खरीफ सीजन की तैयारियों और किसानों को बीज उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पर पड़ सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में निगम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती कर्मचारियों का विश्वास बहाल करना और हड़ताल समाप्त कराने के लिए सकारात्मक पहल करना है।दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने स्पष्ट कहा है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस और लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। अब सबकी निगाहें प्रबंधन पर टिकी हैं कि वह इस संकट का समाधान संवाद और सहमति से निकालता है या फिर दबाव की नीति को जारी रखता है।

महिला सशक्ति करण केंद्र में आई.टी. असिस्टेंट पद हेतु संविदा भर्ती

15 मई से 29 मई तक आमंत्रित किए जाएंगे आवेदन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केंद्र (डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफवूमेन) अंतर्गत कर्मचारियों की संविदा भर्ती के संबंध में विज्ञापन जारी किया गया है।

संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केंद्र के अंतर्गत आई.टी. असिस्टेंट के एक पद के सृजन एवं पदपूर्ति की स्वीकृति प्रदान की गई है। जारी विज्ञापन के अनुसार आई.टी. असिस्टेंट के एक पद पर एकमुश्त संविदा मासिक वेतन 20 हजार 900 रुपये निर्धारित किया गया है।

उक्त पद हेतु इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन पत्र 15 मई 2026 से 29 मई 2026 शाम 5 बजे तक पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट अथवा कोरियर के माध्यम से कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला बेमेतरा में जमा किए जा सकेंगे। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं आवश्यक दिशा-निर्देश जिले की आधिकारिक वेबसाइट www.bemetara.gov.in, कलेक्ट्रेट कार्यालय तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बेमेतरा के सूचना पटल पर अवलोकन की जा सकती है।

सुशासन तिहार शिविर में लोगों को मिली बड़ी राहत, मौके पर बने आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सरिया नगर पंचायत में गुरुवार 14 मई 2026 को आयोजित सुशासन तिहार शिविर में लोगों को प्रशासनिक सेवाओं का सीधा लाभ मिला। शिविर में पहुंचे ग्रामीणों और हितग्राहियों के कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया, जिससे लोगों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी।

किसानों को मिली डिजिटल किसान किताब

शिविर में राजस्व विभाग द्वारा किसानों को राहत देते हुए 5 किसानों को नामांतरण के बाद डिजिटल किसान किताब और फौती उपरांत बी-1 की प्रतियां प्रदान की गई। दस्तावेज हाथों-हाथ मिलने से किसानों ने खुशी जताई और कहा कि अब उन्हें छोटे-छोटे कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

13 आवेदनों में 4 का मौके पर निराकरण

राजस्व विभाग को शिविर में कुल 13 आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 4 आवेदनों का तत्काल निराकरण करते हुए हितग्राहियों को मंच से ही प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसमें 2 आय प्रमाण पत्र, 1 निवास प्रमाण पत्र और 1 जाति प्रमाण पत्र शामिल हैं।अधिकारियों ने बताया कि बाकी आवेदनों का भी नियमानुसार तय समय सीमा के भीतर निराकरण किया जाएगा।

हितग्राहियों ने जताया आभार

मंच से प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन का आभार जताया। लोगों ने कहा कि पहले ऐसे प्रमाण पत्र बनवाने में कई दिन लग जाते थे, लेकिन शिविर में तत्काल सुविधा मिलने से काफी राहत मिली है।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी रहे मौजूद

शिविर में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही, नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, नगर पंचायत उपाध्यक्ष अरुण शराफ तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू, नगर पंचायत सीएमओ लाल सिंह मरकाम सहित पार्षदगण और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।शिविर के दौरान लोगों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। प्रशासन का कहना है कि सुशासन तिहार का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचाना है।

बरमकेला-सरिया क्षेत्र के पेट्रोल पंपों में डीजल की किल्लत, आधी रात लगी डीजल लेने की होड़..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के ग्रामीण क्षेत्र के किसान इन दिनों तिहरी मार झेल रहे हैं। एक ओर भीषण गर्मी, बेमौसम आंधी-तूफान और बारिश के साथ गिरते जलस्तर ने परेशानी बढ़ा दी है, वहीं अब पेट्रोल पंपों पर डीजल की भारी किल्लत ने कृषि कार्यों की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया है। सरिया, कटंगपाली, लोधिया और साल्हेओना सहित आसपास के प्रमुख पेट्रोल पंपों पर पिछले दो-तीन दिनों से डीजल का स्टॉक खत्म होने की स्थिति बन गई है, जिससे किसान और खदान संचालक दोनों परेशान हैं।

सरिया में आधी रात पेट्रोल पंप पर उमड़ी भीड़

जैसे ही लोगों को जानकारी मिली कि सरिया के गांधी चौक स्थित पेट्रोल पंप में डीजल उपलब्ध है, रात करीब 10:30 बजे से ही वहां लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और अन्य वाहन लेकर लोग लंबी कतार में खड़े नजर आए। कई लोग डब्बा लेकर भी डीजल लेने पहुंचे। हालात ऐसे हो गए कि पंप परिसर में मारामारी जैसी स्थिति बन गई। देर रात तक लोग डीजल लेने कतार में लगे रहे।

अकरस जोताई प्रभावित, किसान चिंतित

इन दिनों कृषि कार्य के तहत खेतों में अकरस जोताई का काम तेजी से चल रहा है। ट्रैक्टरों से होने वाली इस जोताई के लिए बड़ी मात्रा में डीजल की जरूरत होती है, लेकिन डीजल नहीं मिलने से कई ट्रैक्टर खेतों के बजाय घरों और पेट्रोल पंपों के बाहर खड़े दिखाई दे रहे हैं। किसानों का कहना है कि यदि समय पर जोताई नहीं हुई तो आने वाली फसल की तैयारी प्रभावित हो सकती है।

राशनिंग के बीच मिल रहा डीजल

बुधवार को क्षेत्र के कुछ पेट्रोल पंपों में डीजल की नई खेप पहुंची, लेकिन मांग इतनी ज्यादा थी कि कुछ ही घंटों में स्टॉक खत्म होने की स्थिति बन गई। हालात को देखते हुए पंप संचालकों ने डीजल की राशनिंग शुरू कर दी है। उपभोक्ताओं को प्रति व्यक्ति केवल 25-25 लीटर डीजल ही दिया जा रहा है। इतनी कम मात्रा में डीजल मिलने से किसानों के साथ-साथ खदानों में चलने वाले भारी वाहनों का काम भी प्रभावित हो रहा है।

खदानों और परिवहन कार्य पर भी असर

डीजल संकट का असर स्थानीय खदानों में चलने वाले डम्पर, हाईवा और अन्य मशीनों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। कई वाहन खड़े हो गए हैं, जिससे परिवहन कार्य प्रभावित हो रहा है। कटंगपाली और साल्हेओना जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में सुबह से ही डीजल के लिए वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं।

जल्द आपूर्ति की मांग

किसानों और वाहन चालकों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर जल्द पर्याप्त डीजल उपलब्ध कराया जाए, ताकि कृषि और व्यवसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से चल सकें। लोगों का कहना है कि यदि जल्द स्थिति सामान्य नहीं हुई तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

प्रांत संयोजक शुभम नाग ने कि बस्तर का दौरा- बस्तर धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से संवेदनशील, युवाओं को संगठन से जुड़कर सक्रिय भूमिका निभानी होगी

कफन-दफन और धर्मान्तरण कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी : शुशम नाग

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बजरंग दल के प्रांत संयोजक शुभम नाग ने सोमवार को एक दिवसीय बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर में कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर बस्तर क्षेत्र में सामने आ रहे अवैध कफ्न-दफ्न और अवैध धर्मांतरण के मामलों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। बैठक का आयोजन शहर के सीताराम शिवालय में किया गया, जिसमें बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक की शुरुआत संगठन की परंपरा के अनुसार दीप प्रज्ज्वलन, ब्रह्मनाद और विजय महामंत्र के साथ हुई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शुभम नाग ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने और समाज को संगठित करने के लिए युवाओं को आगे आकर राष्ट्र और धर्म सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी।

साप्ताहिक मिलन केंद्रों पर जोर

शुभम नाग ने साप्ताहिक मिलन केंद्रों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि साप्ताहिक मिलन केवल बैठक नहीं है, बल्कि यह हिंदू समाज को संगठित करने और मठ-मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रमुख केंद्र है। ÷बजरंग दल का ध्येय वाक्य सेवा, सुरक्षा और संस्कार है। इन्हीं मूल्यों पर संगठन निरंतर कार्य कर रहा है।

अवैध कफ्न-दफ्न पर जताई आपत्ति

बस्तर क्षेत्र में बढ़ रहे अवैध कफ्न-दफ्न के मामलों पर चिंता जताते हुए शुभम नाग ने कांकेर, आमाबेड़ा और नारायणपुर में हुई घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि ईसाई मिशनरी जानबूझकर गांवों का सामाजिक माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। बस्तर को माता दंतेश्वरी और माता मावली की पवित्र भूमि बताते हुए उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम ने अपने वनवास काल का अधिकांश समय यहीं बिताया था। ÷यह देवी-देवताओं की भूमि है। यहां के आदिवासी समाज के लिए माटी मां के समान है। मां के साथ कोई खिलवाड़ करे, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मिशनरी संगठनों से माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का पालन करने की अपील की और चेतावनी दी कि यदि वे अपनी गतिविधियों से बाज नहीं आए तो परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

धर्मांतरण पर कड़ा रुख

बैठक में विभाग संयोजक सिकंदर कश्यप ने बस्तर में हो रहे अवैध धर्मांतरण का पुरजोर विरोध किया। उन्होंने कहा कि बजरंग दल अब चुप बैठने वाला नहीं है।

÷हमारे भोले-भाले आदिवासी समाज को गुमराह करना बंद किया जाए। संगठन अब हर स्तर पर इसका विरोध करेगा,÷ उन्होंने कहा। जिला अध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे धर्म विरोधी तत्वों से निपटने के लिए हमेशा तत्पर रहें। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही समाज की सुरक्षा की गारंटी है।

आगामी कार्ययोजना पर चर्चा

बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना और गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सभी कार्यकर्ताओं से रायपुर में आयोजित होने वाले बजरंग दल प्रशिक्षण वर्ग में भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त करने का आग्रह किया गया। बैठक में प्रांत संयोजक शुभम नाग, विभाग संयोजक सिकंदर कश्यप, जिला अध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता, जिला धर्म प्रसार देवेंद्र कश्यप, जिला संयोजक विष्णु ठाकुर, सह संयोजक योगेश रैली, नगर संयोजक जगदीश ठाकुर, सह संयोजक अजय सिंह, गौ रक्षा प्रमुख शत्रुघ्न कश्यप, सह प्रमुख पवन, काशी चालकी, हेमराज कश्यप सहित नगर के दायित्ववान कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार-2026 : विकासखण्ड साजा के ग्राम पंचायत ठेलका में समाधान शिविर आज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 15 मई को जनपद पंचायत साजा के ग्राम पंचायत ठेलका के शासकीय हाई स्कूल में समाधान शिविर आयोजित किया गया है। ग्राम ठेलका कलस्टर में ग्राम बेलतरा, बेलगांव, भेंडरवानी, चिल्फी, भरदा, सोमईकला, संबलपुर, बरगड़ा, धौराभाठा, सोमईखुर्द, मुसवाडीह, भनौरा, लालपुर एवं चिचगाव ग्राम पंचायत के लिए यह शिविर आयोजित किया गया है। शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 03 बजे निर्धारित किया गया है। समाधान शिविर में विभिन्न योजनाओं से पात्र अनेक हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। शिविर में प्राप्त आवेदनों का यथासंभव निराकरण किया जाएगा। शिविर में विभिन्न विभागों के जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। शिविर में शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने ग्रामीण जनों को शिविर में उपस्थित होकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान ने पल्ला झाड़ा, कहा- यूएस और इस्राइल जिम्मेदार, ट्रंप ने रचा आर्थिक चक्रव्यूह

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष ने पूरी दुनिया की कमर तोड़ दी है।

आपूर्ति श्रृंखला पूरी तरह चरमरा गई है। इस बीच ईरान ने कहा है कि भारत समेत अन्य देशों की दुर्दशा के लिए वह जिम्मेदार नहीं है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सारा ठीकरा अमेरिका और इस्राइल पर फोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान इस स्थिति से खुश नहीं है, लेकिन यह जंग उन पर थोपी गई है। एक विशेष साक्षात्कार में इस्माइल बघाई ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अमेरिका और इस्राइल की जवाबदेही तय करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों देशों ने जो शुरू किया, वह आज भी जारी है। जब उनसे पूछा गया कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत जैसे देश परेशान हैं, तो उन्होंने 28 फरवरी की तारीख याद दिलाई। बघाई के अनुसार, उस दिन से पहले होर्मुज का रास्ता हर देश के लिए खुला और सुरक्षित था। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का कानूनी दावा बघाई ने दावा किया कि ईरान ने जो भी कदम उठाए हैं, वे अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल ने खाड़ी के अन्य देशों की जमीन का इस्तेमाल ईरान पर हमला करने के लिए किया। ईरान का तर्क है कि उसे अपने बचाव में जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी ताकि हमलावर इस जलमार्ग का दुरुपयोग न कर सकें। ईरान खुद इस समुद्री मार्ग पर सबसे अधिक निर्भर है, इसलिए वह भी वहां सुरक्षा चाहता है। दूसरी तरफ, अमेरिका ने ईरान की घेराबंदी और कड़ी कर दी है।

चीन के लिए जासूसी कर रहीं थी कैलिफोर्निया के आर्केडिया शहर की मेयर

कैलिफोर्निया, एजेंसी। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने सोमवार को एक बड़ी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया, कैलिफोर्निया के अर्काडिया शहर की मेयर ईलिग वांग पर संघीय अदालत में चीन की अवैध एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगा है। साल 2020 के अंत से 2022 तक ईलिग वांग ने चीनी सरकार के अधिकारियों के इशारों पर काम किया। इन लोगों ने अमेरिका में चीन के हितों को बढ़ावा देने के लिए कई गतिविधियों को अंजाम दिया। उन्होंने यूएस न्यूज सेंटर नाम की एक वेबसाइट के माध्यम से अमेरिका में चीन के समर्थन वाला प्रोपेगेंडा फैलाया। यह वेबसाइट खुद को स्थानीय चीनी-अमेरिकी समुदाय के लिए एक समाचार स्रोत बताती थी। असल में, वांग और उनके साथी चीनी अधिकारियों से निर्देश लेते थे और वेबसाइट पर उनके मनमुताबिक सामग्री पोस्ट करते थे। न्याय विभाग ने एक उदाहरण देते हुए बताया कि जून 2021 में एक चीनी अधिकारी ने वांग और अन्य लोगों से संपर्क किया था। यह संपर्क वीचैट नाम के एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप के जरिए किया गया था। उस अधिकारी ने उन्हें पहले से लिखे हुए समाचार लेख भेजे थे ताकि उन्हें वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा सके। रिपोर्टों के अनुसार, 58 वर्षीय वांग ने गंभीर अपराध के आरोप में दोषी ठहराए जाने पर सहमति जताई है, जिसके लिए अधिकतम 10 साल की जेल की सजा हो सकती है। न्याय विभाग के बयान के अनुसार, वांग आज दोपहर लॉस एंजिल्स की जिला अदालत में पेश होंगी। उम्मीद है कि वह आने वाले हफ्तों में आधिकारिक तौर पर अपना गुनाह कबूल कर लेंगी। वांग नवंबर 2022 में अर्काडिया सिटी काउंसिल के लिए चुनी गई थीं। इस पांच सदस्यीय परिषद में मेयर का पद बारी-बारी से मिलता है। अब उन्होंने सिटी काउंसिल और मेयर पद से इस्तीफा दे दिया है। नेशनल सिक्योरिटी के असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल जॉन ए ईसेनबर्ग ने इस मामले को बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि सार्वजनिक भरोसे वाले पद पर बैठा व्यक्ति विदेशी सरकार के निर्देशों का पालन कर रहा था। फर्स्ट असिस्टेंट यूएस अटॉर्नी बिल एसायली ने कहा कि जो लोग गुप्त रूप से विदेशी सरकारों के इशारे पर काम करते हैं।

वायरस ने मचाई दहशत: क्रूज शिप से ब्रिटेन लौटे 22 नागरिकों को 45 दिनों का पृथकवास

लंदन, एजेंसी। चूहों से फैलने वाले खतरनाक 'हंता वायरस' की चपेट में आए एक क्रूज शिप पर सवार सभी शेष ब्रिटिश नागरिकों की उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के एक अस्पताल में जांच की जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि ये यात्री 45 दिनों के अनिवार्य पृथकवास में हैं। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि 'एमवी होंडियस' जहाज से वापस लाए गए 20 ब्रिटिश नागरिकों, ब्रिटेन में रहने वाले एक जर्मन नागरिक और जापान सरकार के अनुरोध पर लाए गए एक जापानी यात्री की मर्सीसाइड के विराल स्थित 'एरो पार्क अस्पताल' में निगरानी की जा रही है।

अगले 72 घंटों के भीतर उनका नैदानिक परीक्षण और जांच की जाएगी, जिसके बाद संक्रामक रोग विशेषज्ञ यह तय करेंगे कि वे अपना पृथकवास सुरक्षित रूप से कहां पूरा कर सकते हैं। ब्रिटेन की सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री शेरोन हॉजसन ने कहा, 'किसी भी यात्री में वायरस के लक्षण नहीं दिखे हैं,

लेकिन एहतियाती पृथकवास अवधि के तहत हम अस्पताल में अगले 72 घंटों तक उन पर पैनी नजर रखेंगे।' उन्होंने कहा, 'चूंकि किसी में लक्षण नहीं हैं और हमारी निगरानी एवं पृथकवास के उपाय बेहद सख्त हैं, इसलिए आम जनता के लिए जोखिम बहुत कम है।' इससे पहले रविवार शाम को, एक विशेष चार्टर्ड विमान के जरिए यात्रियों को स्पेन के कैनरी द्वीप समूह से मैनचेस्टर हवाई अड्डे लाया गया।

ये यात्री 'एमवी होंडियस' नामक उस क्रूज जहाज पर सवार थे, जो हंटा वायरस के घातक प्रकोप की चपेट में आ गया था। अधिकारियों ने बताया कि स्पेन के इस क्षेत्र में फंसे विभिन्न देशों के यात्रियों को निकालने का अभियान इस सप्ताह की शुरुआत तक पूरा कर लिया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), जो इस घटना पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया का नेतृत्व कर रहा है, ने इसमें 'एंडिस स्वरूप' की पहचान की है। यह प्रजाति इंसानों के बीच सीमित संक्रमण फैलाने में सक्षम मानी जाती है, जो कि लंबे समय तक करीबी संपर्क में रहने से होता है। इस क्रूज शिप से जुड़े प्रकोप में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, लेकिन डब्ल्यूएचओ ने किसी वैश्विक महामारी के खतरे से इनकार किया है।

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 में रिकॉर्ड प्रदर्शन दर्ज किया

नई दिल्ली। स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ तिमाही और वार्षिक वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। यह प्रदर्शन मुख्य व्यवसायों में स्टडी एक्सक्यूशन, बेहतर ऑपरेशंस, डिसिप्लाइंड कपस्ट मैनेजमेंट और डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल ग्रोथ ऑपर्च्यूनिटीज़ पर केंद्रित मजबूत बिज़नेस डेवलपमेंट स्ट्रेटेजी के कारण संभव हुआ है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान, कंपनी ने अपने बोर्ड को मजबूत करके, ग्लोबल लीडरशिप क्षमता का विस्तार करके, इंटरनेशनल कोलाब्रेशन बढ़ाकर और एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज और स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तक पहुंच बढ़ाकर, ग्रोथ के अगले स्तर पर ले जाने के लिए कदम उठाए है । श्री यासुयुकी इकेडा को एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में पुन: नामित करना और श्री कंचेरला उमा महेश्वर राव को इंडिपेंडेंट डायरेक्टर के रूप में नियुक्त करना, ग्लोबल बिजनेस डेवलपमेंट, टेक्नोलॉजी-लेड एक्सपेंशन और मज़बूत कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर कंपनी के अधिक केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नागेश्वर राव कंदुला ने कहा: स्टैण्डर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड के लिए वित्त वर्ष 2026 एक खास वर्ष रहा है। हमने अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा किया और अब तक का सर्वश्रेष्ठ वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया, साथ ही विस्तार के अगले चरण के लिए इंस्टोट्यूशनल फाउंडेशन को भी मजबूत किया। पिछले एक वर्ष में, हम एक फोकस्ड इक्विपमेंट मैनुफैक्चरिंग बिज़नेस से विकसित होकर एक अधिक इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म बन गए हैं, जिसमें डिजाइन, प्रिसिशन फेब्रिकेशन, टर्नकी प्रोजेक्ट्स का एक्सक्यूशन, कमीशनिंग, वेलिडेशनऔर लाइफ़साइकल मेंटनेस जैसी क्षमताएं शामिल हैं। साथ ही, हमने अपने व्यवसाय विकास तंत्र को मजबूत किया है, अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोग ढांचे का विस्तार किया है और वैश्विक नेतृत्व और स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञता को शामिल करके बोर्ड स्तर पर अपनी विशेषज्ञता को बढ़ाया है।

अपमान पर भड़के; लोगों को लगा दी डांट

अफ्रीका शिखर सम्मेलन में बिना बुलाए मंच पर पहुंचे मैक्रों

नैरोबी, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का सोमवार को केन्या के नैरोबी में एक कार्यक्रम के दौरान लोगों पर भड़क गए और उन्होंने सभागार में बैठे लोगों को बुरी तरह से डांट दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सोमवार को नैरोबी में अफ्रीका फॉरवर्ड शिखर सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान युवाओं पर केंद्रित एक सत्र का आयोजन हो रहा था। वक्ता मंच पर खड़े होकर बोल रहे थे, लेकिन कार्यक्रम में शामिल लोग बातें कर रहे थे और वक्ताओं को ध्यान से नहीं सुन रहे थे। इससे दर्शक दीर्घा में बैठे फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों बुरी तरह से नाराज हो गए।

मैक्रों कार्यक्रम के बीच में ही अपनी जगह से उठे और सीधे मंच पर पहुंच गए। उन्होंने एक वक्ता से माइक लिया और अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने कहा, 'माफ कीजिए, अरे..अरे..अरे। मुझे माफ करना दोस्तों, लेकिन इतने शोर के बीच में संस्कृति पर बात करना असंभव हैं।' मैक्रों ने कहा, 'ये तो सरासर अनादर है। मेरा सुझाव है कि अगर आप किसी मुद्दे पर बात करना चाहते हैं तो अपने कमरों में जाकर करें या यहां से बाहर चले जाएं। अगर आप यहां रहना चाहते हैं तो लोगों की बात सुननी होगी।'

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

हालांकि मैक्रों के इस तरह से लोगों को सरेआम डांटने की आलोचना भी हो रही है।

ईरान युद्ध से पस्त पाकिस्तान: पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए बढ़ाई सख्ती

जनता के सामने गिड़गिड़ाई शहबाज सरकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका-ईरान के बीच समझौता न हो पाने के कारण पैदा हुई अनिश्चितता के बीच शहबाज शरीफ ने पाकिस्तान में लागू देशव्यापी मितव्ययिता अभियान को 13 जून 2026 तक बढ़ा दिया है। नाजुक युद्धविराम की स्थिति और ऊर्जा आपूर्ति पर पड़े असर को देखते हुए पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला लिया है।

शहबाज सरकार ने कैसे बढ़ाई समयसीमा?

पाकिस्तान सरकार ने पहली बार

9 मार्च को कई सख्त आर्थिक और ईंधन बचत उपायों की घोषणा की थी। यह कदम अमेरिका और इस्राइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले और उसके बाद ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के कारण उठाया गया था। शुरुआती तौर पर ये मितव्ययिता उपाय दो महीनों के लिए लागू किए गए थे।

सोमवार को पाकिस्तान सरकार के कैबिनेट डिवीजन की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि ईंधन संरक्षण और अतिरिक्त मितव्ययिता उपायों की निगरानी करने वाली समिति की सिफारिशों पर विचार करने के बाद प्रधानमंत्री ने इन उपायों की अवधि 13 जून 2026 तक बढ़ाने की मंजूरी दी है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। सरकार द्वारा लागू प्रमुख उपायों में सरकारी वाहनों के लिए ईंधन भत्ते में 50 प्रतिशत की कटौती शामिल है। हालांकि एंबुलेंस और सार्वजनिक बसों जैसे परिचालन वाहनों को इससे छूट दी गई है। इसके अलावा 60 प्रतिशत सरकारी वाहनों को बंद रखने और जरूरी राष्ट्रीय हितों से जुड़े मामलों को छोड़कर विदेशी दौरों पर पूरी तरह रोक लगाने का फैसला भी जारी रहेगा। पाकिस्तान पश्चिम एशिया से आने वाली तेल आपूर्ति पर काफी हद तक निर्भर है। ईरान युद्ध के चलते देश की प्रमुख सप्लाई लाइन प्रभावित हुई, जिससे सामान्य प्रशासनिक और आर्थिक गतिविधियां चलाना मुश्किल हो गया।

ब्रिटेन में सियासी भूचाल! सरकार से पहली मंत्री ने दिया इस्तीफा, पीएमस्टार्मर पर कुर्सी छोड़ने का दबाव बढ़ा

चुनौती की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है और देश सरकार से काम जारी रखने की उम्मीद करता है

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजनीति में बड़ा संकट खड़ा होता दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर पर इस्तीफे का दबाव लगातार बढ़ रहा है, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया है कि वह पद नहीं छोड़ेंगे और सरकार चलाते रहेंगे। डाउनिंग स्ट्रीट की ओर से जारी बयान में स्टारमर ने कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि पार्टी के भीतर नेतृत्व चुनौती की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है और देश सरकार से काम जारी रखने की उम्मीद करता है। उन्होंने कहा, 'पिछले 48 घंटे सरकार के लिए अस्थिर रहे हैं और इसका आर्थिक असर देश तथा परिवारों पर पड़ रहा है। लेकिन लेबर पार्टी में नेता को चुनौती देने की एक प्रक्रिया होती है और वह शुरू नहीं हुई है।' ब्रिटिश अखबार रिपोर्ट के मुताबिक कैबिनेट के छह वरिष्ठ मंत्री चाहते हैं कि स्टारमर पद छोड़ दें। रिपोर्ट में जिन मंत्रियों का नाम सामने आया उनमें शामिल हैं:

बताया जा रहा है कि इन नेताओं ने स्टारमर से नेतृत्व परिवर्तन पर विचार करने को कहा है।

सरकार से पहला इस्तीफा: इसी बीच सरकार को बड़ा झटका तब लगा जब हाउसिंग, कम्युनिटीज और लोकल गवर्नमेंट मंत्री मियाटा फानबुले ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर जारी बयान में कहा कि सरकार ने बदलाव की रफ्तार, विजन और साहस नहीं दिखाया जिसकी जनता

को उम्मीद थी। फाहनबुलेह ने स्टारमर से 'देश और पार्टी के हित में व्यवस्थित नेतृत्व परिवर्तन की समयसीमा तय करने' की अपील की। उन्होंने लिखा, 'जनता अब विश्वास नहीं करती कि आप वह बदलाव ला सकते हैं जिसकी हमने उनसे वादा किया था।'

डाउनिंग स्ट्रीट में बढ़ी हलचल: मंगलवार सुबह डाउनिंग स्ट्रीट में लगातार मंत्रियों की आवाजाही देखी गई। ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी हेइडी अलेक्जेंडर और पुरातात्विक मंत्री जेम्स मरे भी नंबर 10 पहुंचे, लेकिन उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब नहीं दिया। इसी दौरान कई लेबर सांसदों ने भी सार्वजनिक रूप से स्टारमर से पद छोड़ने की मांग शुरू कर दी है।

चुनावी नतीजों के बाद संकट

पार्टी के अंदर असंतोष बढ़ा है। कई नेताओं का मानना है कि पार्टी जनता की उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई और इससे सरकार की विश्वसनीयता कमजोर हुई है। अब नजर इस बात पर है कि क्या लेबर पार्टी के भीतर औपचारिक नेतृत्व चुनौती शुरू होती है या स्टारमर किसी समझौते के जरिए अपनी कुर्सी बचाने में सफल रहते हैं।

● परिवार के ही एक आदमी ने दी जानकारी

डच नाजी कमांडर के परिवार के पास मिली चोरी की बेशकीमती पेंटिंग, आर्ट जासूस का बड़ा खुलासा

रोम, एजेंसी। डच आर्ट जासूस आर्थर ब्रांड ने सोमवार को 'पोर्ट्रेट ऑफ ए यंग गर्ल' पेंटिंग को लेकर कई नए खुलासे किए। उन्होंने बताया कि, नाजियों द्वारा दुनिया के मशहूर गौडस्टिकर कलेक्शन से लूटी गई एक कलाकृति उन्होंने खोज ली है। यह पेंटिंग नीदरलैंड्स में एक बदनाम एसएस सहयोगी के परिवार के पास मिली है।

ब्रांड ने बताया कि डच कलाकार टून केल्डर की बनाई पेंटिंग 'पोर्ट्रेट ऑफ ए यंग गर्ल' (एक युवा लड़की का चित्र), शायद दशकों से हेंड्रिक सेफार्ड्ट के वंशजों के घर में टंगी हुई थी। ब्रांड ने इसे अपने पूरे करियर का सबसे अजीब मामलाय बताया।

इस मामले की तुलना 2025 में सामने आई एक खोज से की जा रही है, जिसने दुनिया भर में सुर्खियां बटोरी थीं। उस समय, 18वीं सदी की नाजियों द्वारा लूटी गई एक पेंटिंग, जो यहूदी आर्ट डीलर जैक्स गौडस्टिकर के कलेक्शन से ही थी। अर्जेंटीना में एक प्रॉपर्टी के विज्ञापन में दिखाई दी थी।

नीदरलैंड्स के इस मामले में, ब्रांड ने बताया कि एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया, जिसने हाल ही में दो चौंकाने वाले राज खोजे थे।

वह सेफार्ड्ट का वंशज था, और उसके परिवार ने सालों तक उस लूटी हुई कलाकृति को अपने घर में सजाकर रखा था।

परिवार के इस सदस्य ने, जो अपना नाम गुप्त रखना चाहता था, ब्रांड को बताया कि उसने यह पेंटिंग सेफार्ड्ट की पोती के घर के गलियारे में टंगी हुई देखी थी। सेफार्ड्ट की हत्या 1943 में डच प्रतिरोध सेनानियों ने कर दी थी।

सेफार्ड्ट, जो नाज़ियों के साथ सहयोग करने वाले सबसे ऊंचे ओहदे वाले डच लोगों में से एक था। वह पूर्वी मोर्चे पर डच स्वयंसेवकों की एक टुकड़ी का नेतृत्व करता था। 1943 में उसकी मौत की खबर अपने पहले पन्ने पर छापी थी, और द हेग में उसके लिए एक भव्य नाजी राजकीय अंतिम संस्कार आयोजित किया गया था, जिसमें एडॉल्फ हिटलर द्वारा भेजा गया फूलों का हार भी शामिल था।

ब्रांड ने बताया कि सेफार्ड्ट की पोती ने परिवार के उस सदस्य से कहा था कि, यह पेंटिंग यहूदियों से लूटी गई कलाकृति है, जिसे गौडस्टिकर से चुराया गया था। इसे बेचा नहीं जा सकता, किसी को इस बारे में नहीं बताना। लेकिन परिवार का वह सदस्य चाहता था कि यह कहानी दुनिया के सामने आए, इसलिए उसने ब्रांड से संपर्क किया। ब्रांड ने चोरी हुई कलाकृतियों से जुड़े कई हाई-प्रोफाइल मामलों को सुलझाकर अपना एक खास मुकाम बनाया है। इस परिवार के सदस्य ने टेलीग्राफ अखबार को बताया कि, 'मुझे शर्म आ रही है। यह पेंटिंग गौडस्टिकर के वारिसों को लौटा देनी चाहिए।'

पश्चिम एशिया संकट: दोहरा गेम खेल रहा पाकिस्तान? ईरान युद्ध में पाक की मध्यस्थता पर अमेरिका को भी शक

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया के संघर्ष में पाकिस्तान खुद को एक मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा है, लेकिन उसकी इस भूमिका पर अब अमेरिकी प्रशासन को गहरा शक होने लगा है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान दोहरी चाल चल रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के उस शांति प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसे पाकिस्तान ने उन तक पहुंचाया था। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत के दौर की मेजबानी भी पाकिस्तान ने ही की थी। अमेरिका को पाक की मध्यस्थता पर शक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के करीबी लोग ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता को लेकर चिंतित हैं। अमेरिकी प्रशासन को लगता है कि पाकिस्तान शांति प्रक्रिया को लेकर ट्रंप की नाराजगी को ईरान तक सही ढंग से नहीं पहुंचा रहा है। अधिकारियों का यह भी मानना है कि पाकिस्तान ईरान

के पक्ष को हकीकत से ज्यादा सकारात्मक बनाकर अमेरिका के सामने पेश कर रहा है। इस बीच, अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट ने पाकिस्तान के इस डबल गेम का एक और सबूत दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने चुपके से ईरानी सैन्य विमानों को अपने हवाई अड्डों पर रुकने की इजाजत दी। ऐसा शायद इन विमानों को अमेरिकी हवाई हमलों से बचाने के लिए किया गया था। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि अप्रैल की शुरुआत में जब ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम की घोषणा की थी, उसके कुछ ही दिनों बाद ईरान ने पाकिस्तान के 'नूर खान एयर बेस' पर कई विमान भेजे थे। इनमें ईरानी वायुसेना का एक खुफिया विमान 'आरसी-130' भी शामिल था।

ट्रंप का सब्र टूट रहा: ईरान के प्रस्ताव न मानने से अमेरिका नाराज

फिर हमले का आदेश दे सकते हैं राष्ट्रपति

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर डोनाल्ड ट्रंप अब ईरान के रवैये से खुलकर नाराज नजर आ रहे हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान की ओर से आए प्रस्ताव और लगातार ठप पड़ी बातचीत से ट्रंप प्रशासन में भारी निराशा है। यही वजह है कि अब वॉशिंगटन एक बार फिर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई शुरू करने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

कहां अटक रही है बातचीत?

सीएनएन ने मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से बताया कि परमाणु मुद्दे पर बातचीत में लगातार गतिरोध और तेहरान का रवैया ट्रंप प्रशासन की नाराजगी की सबसे बड़ी वजह बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप इस बात से भी बेहद परेशान हैं कि ईरान रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है। इसके अलावा उन्हें यह भी लगता है कि

ईरानी नेतृत्व के भीतर मौजूद अंदरूनी मतभेद किसी भी सार्थक कूटनीतिक प्रगति में बाधा बन रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, ईरान की हालिया प्रतिक्रिया के बाद अमेरिकी प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों के बीच यह सवाल उठने लगा है कि क्या तेहरान वास्तव में गंभीरता से बातचीत करना चाहता भी है या नहीं। सीएनएन की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के भीतर आगे की रणनीति को लेकर मतभेद उभर आए हैं। प्रशासन के कुछ अधिकारी, खासकर पेंटागन से जुड़े लोग, अब ईरान पर ज्यादा आक्रामक दबाव बनाने के पक्ष में हैं। उनका मानना है कि सीमित और लक्षित सैन्य हमलों के जरिए तेहरान की स्थिति को और कमजोर किया जा सकता है। वहीं, प्रशासन के भीतर एक दूसरा धड़ा अब भी यह मानता है कि कूटनीतिक प्रयासों को थोड़ा और समय दिया जाना चाहिए। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि वॉशिंगटन और तेहरान बातचीत को लेकर अलग-अलग समयसीमा और सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अधिकारी के मुताबिक, ईरान दशकों से आर्थिक प्रतिबंधों और दबावों का सामना करता आया है, इसलिए हो सकता है कि उसे उतनी जल्दबाजी महसूस न हो जितनी ट्रंप प्रशासन उम्मीद कर रहा है।

ट्रंप ने ईरान के प्रस्ताव पर क्या कहा?: सोमवार को ओवल ऑफिस में मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए ट्रंप ने ईरान के प्रस्ताव पर खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उन्होंने (ईरान) जो कचरा हमें भेजा, उसे मैंने पूरा पढ़ना भी जरूरी नहीं समझा। ईरान इस समय लाइफ सपोर्ट पर है। दोनों पक्षों के बीच जो संघर्षविराम है, वह भी मुश्किल से टिका हुआ है।

नर्स बनने के लिए ओलिंपिक विजेता का संन्यास

कहा- मुझे 'असली दुनिया' का आकर्षण खींच रहा; कॉमनवेल्थ 2026 की टीम में शामिल थीं केटी आर्चीबाल्ड

लंदन। ब्रिटेन की सबसे सफल और दिग्गज साइकिलिस्ट में से एक, तीन बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट केटी आर्चीबाल्ड ने अचानक संन्यास ले लिया है। हैरानी की बात यह है कि उन्हें इसी साल होने वाले 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए स्कॉटलैंड की टीम में चुना गया था।

लेकिन 32 वर्षीय केटी ने ट्रैक को हमेशा के लिए अलविदा कहकर अपना नया करियर चुन लिया है। अब वह एक नर्स के रूप में मरीजों की सेवा करती नजर आएंगी।

केटी ने बताया कि काफी समय से 'असली दुनिया' का आकर्षण उन्हें अपनी ओर खींच रहा था। वह उस दुनिया को छोड़ने से डर रही थीं जिसे वह जानती हैं और उसमें माहिर हैं। लेकिन उनका मानना है कि अब उनके अंदर कोई डर नहीं बचा है। केटी ने कहा कि मैं उस स्टार्ट लाइन तक पहुंचने के लिए बेताब थी लेकिन अब मेरा दिमाग और शरीर साथ नहीं दे रहा है। समय आ गया है कि नई पीढ़ी अपना जलवा बिखेरे।

अपने नए सफर के बारे में बात करते हुए केटी ने बताया कि वह फिलहाल एक नर्स बनने की ट्रेनिंग ले रही हैं और उन्हें इस नए पेशे से प्यार हो गया है। उनका कहना है कि जब लोगों को मदद की सख्त जरूरत हो और वे आप पर भरोसा कर सकें, तो उनके लिए वह भरोसेमंद इंसान बनना बहुत ही खास एहसास देता है।

इस भावुक मौके पर केटी ने अपने शानदार सफर के लिए कोच, टीम के साथियों और परिवार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से अपनी मां और अपने दिवंगत पार्टनर रैब वार्डेल को याद किया। गौरतलब है कि रैब का 2022 में 37 साल की उम्र में कार्डियक अरेस्ट से अचानक निधन हो गया था। केटी ने कहा कि रैब ने ही उन्हें सिखाया था कि जीवन में रिलैक्स रहने और मजे करने से ज्यादा जरूरी कुछ नहीं है और वह हर दिन इन दोनों चीजों में बेहतर हो रही हैं।

13 साल लंबा रहा करियर, 7 वर्ल्ड टाइटल जीते

केटी ने 19 साल की उम्र में ब्रिटेन की एंड्योरेंस स्क्वाड में जगह बनाई थी। अपने शानदार करियर में उन्होंने कुल 51 प्रमुख मेडल जीते। उनके नाम ओलिंपिक में दो स्वर्ण और एक रजत पदक, सात वर्ल्ड टाइटल, रिकॉर्ड 21 यूरोपियन टाइटल और एक कॉमनवेल्थ गेम्स का स्वर्ण पदक दर्ज है।

वह महिला 'टीम परस्यूट' में विश्व रिकॉर्ड धारक टीम का हिस्सा भी हैं। उनके पदकों की संख्या और भी अधिक हो सकती थी, यदि उन्हें 2022 के बर्मिंघम गेम्स और बाद में ओलिंपिक से ठीक पहले चोट व अन्य कारणों से अपना नाम वापस नहीं लेना पड़ता।

टीम इंडिया से ड्रॉप हुए पर चुप रहे, मेहनत की..; 36 साल के भुवनेश्वर कुमार ने फिर दुनिया को झुका दिया

36 वर्षीय भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर साबित कर दिया है कि क्लास कभी खत्म नहीं होती। टीम इंडिया से बाहर होने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी, बल्कि खुद को और मजबूत बनाया। आरसीबी के लिए खेलते हुए वह 21 विकेट लेकर पर्पल कैप होल्डर बने हुए हैं। शांत स्वभाव, अनुशासन और लगातार मेहनत ने उन्हें फिर से खतरनाक गेंदबाज बना दिया है।

कभी भारतीय क्रिकेट की नई गेंद का सबसे भरोसेमंद नाम रहे भुवनेश्वर कुमार को जब टीम इंडिया से बाहर किया गया, तब बहुतों को लगा कि अब उनकी कहानी खत्म हो चुकी है। उम्र बढ़ रही थी, चोटें पीछा कर चुकी थीं, और क्रिकेट नई पीढ़ी की तरफ बढ़ चुका था। लेकिन भुवनेश्वर उन खिलाड़ियों में नहीं थे जो शोर मचाते हैं। उन्होंने जवाब देने के लिए शब्द नहीं चुने... उन्होंने गेंद चुनी। आज 36 साल की उम्र में वह आईपीएल 2026 में फिर चमक रहे हैं।

भुवनेश्वर ने कहा- बाहर होने के दिन भी मैं शांत था

टीम इंडिया से बाहर होना किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे कठिन दौर होता है। लेकिन भुवनेश्वर ने इसे अलग नजरिए से देखा। उन्होंने कहा, 'स्वीकार करना मुश्किल होता है, लेकिन जब आप उससे शांति बना लेते हैं, तब आप अलग तरह से सोचते हैं। जिस दिन मुझे भारतीय टीम से बाहर किया गया, उस दिन भी मैं शांत था। मैं एक दशक तक वहां रहा था, सब कुछ देख चुका था। इसलिए खुद को चीजों से अलग करना आसान हो गया।' यह बयान बताता है कि महान खिलाड़ी सिर्फ खेल से नहीं, सोच से भी बड़े होते हैं।

पर्पल कैप और विकेटों की बारिश

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए भुवनेश्वर कुमार इस सीजन 21 विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम किए हुए हैं। यह चौथा मौका है जब उन्होंने ढ्ढक्र में 20 से ज्यादा विकेट लिए हैं। वह आईपीएल इतिहास में 200 विकेट पूरे करने वाले पहले तेज गेंदबाज भी बन चुके हैं। डेथ ओवरों में उनकी इकॉनमी 7.8 है, जो इस सीजन सर्वश्रेष्ठ मानी जा रही है। पावरप्ले में उनके 12 विकेट भी दिखाते हैं कि नई गेंद से वह आज भी उतने ही खतरनाक हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टीम का एलान, सोफी मोलिनक्स होंगी 15 सदस्यीय टीम की कप्तान

दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम का एलान कर दिया गया है। स्क्वॉड में 15 खिलाड़ियों को जगह दी गई है। कप्तानी सोफी मोलिनक्स करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम में बाएं हाथ की अनुभवी तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को जगह दी गई है, जबकि डार्सी ब्राउन को बाहर कर दिया गया है। टीम में एश्ले गार्डनर, ताहलिया मैकग्राथ, एलिस पेरी, और बेथ मूनी जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

हैमिल्टन ने पिछले साल आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी की थी। वह ऑस्ट्रेलियाई टीम के सात गेंदबाजी विकल्पों में से एक हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम में गेंदबाजी के विकल्पों में मेगन शुट्ट, किम गार्थ, एनाबेल सदरलैंड, मैकग्राथ, पेरी और निकोला कैरी शामिल हैं। मार्च में हुए कैरेबियन दौरे से बाहर रहने वाली ग्रेस हैरिस को टीम में जगह दी गई है, तो सदरलैंड भी टीम में वापस आ गई हैं। 2009 से लगातार टी20 विश्व कप खेल रहीं एलिस पेरी विश्व कप में इस बार अपने 50 मैच पूरे करेंगी। निकोला कैरी 2020 के बाद अपना पहला टी20 विश्व कप खेलेंगी, तीन साल नेशनल टीम से बाहर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में नेशनल टीम में लौटी हैं। अलाना किंग भी टीम में शामिल हैं।

विकेटकीपर-बल्लेबाज ताहलिया विल्सन को ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर शामिल किया गया है। उन्होंने मार्च में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के ग्रुप 1 में दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड के साथ रखा गया है। अपने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया 13 जून को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी।

टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमः सोफी मोलिनक्स (कप्तान), निकोला कैरी, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फीबी लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम।

जबलपुर में शारीरिक प्रशिक्षण के साथ बल्लेबाजी में ग्रिप, डिफेंस व ड्राइव की बारीकियां सीख रहे नवोदित

मुंबई। नवोदित क्रिकेट खिलाड़ियों के उत्साह व उपस्थिति के कारण यह शिविर नगर का सबसे विशाल क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर बन गया है। शिविर की खास बात यह है कि इसमें प

...और पढ़ें

130 से अधिक प्रतिभाएं क्रिकेट में भाग्य आजमा रहीं

अनुशासन व समर्पण भावना के साथ कर रहे हैं मेहनत

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में रामपुर स्थित पांडुताल मैदान में आयोजित ग्रीष्मकालीन क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर इन दिनों नगर के नवोदित क्रिकेट का आकर्षण का केंद्र बन गया है।

प्रशिक्षणार्थियों में उत्साह

केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम ने मैदान में पहुंच कर क्रिकेट शिविर के प्रशिक्षणार्थियों का उत्साह बढ़ाया। पदाधिकारियों ने इस बात पर हर्ष व्यक्त किया कि शिविर में नगर के नवोदित क्रिकेट खिलाड़ी उत्साह से भाग ले रहे हैं और अनुशासन व समर्पण भावना के साथ मेहनत कर रहे हैं। 16 वर्ष तक के खिलाड़ी शामिल

क्रिकेट प्रशिक्षण शिविर में 8 से 16 वर्ष तक आयु के 130 नवोदित खिलाड़ी भाग ले रहे हैं जिसमें बारह लड़कियां भी हैं। इन खिलाड़ियों को दो आयु वर्ग में विभक्त कर गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आठ से 12 वर्ष आयु तक के प्रशिक्षणार्थियों को पूर्व स्टेट लेबल अंपायर हेमंत पोतदार, पीके सेन व अमित यादव और 12 से 16 वर्ष तक आयु वर्ग के खिलाड़ियों को अनिल शर्मा, कुशलपाल सिंह, इकबाल खान, तरूण विजयकर व विनोद राजपूत प्रशिक्षण दे रहे हैं।

प्रशिक्षण के लिए लगायी गई हैं चार सीमेंट विकेट में नेट्स

पाण्डुताल मैदान में प्रशिक्षण के लिए चार सीमेंट विकेट में नेट्स लगायी गई हैं। शिविर में प्रतिदिन शारीरिक प्रशिक्षण के अलावा बल्लेबाजी में ग्रिप, स्टांस, बैक लिफ्ट, डिफेंस व ड्राइव की बारीकियां समझायी जा रही हैं। गेंदबाजी में प्रशिक्षणार्थियों को एक्शन, रन-अप, स्विंग व स्पिन गेंदबाजी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सीएसके टीम के साथ लखनऊ जाएंगे धोनी, टिकट हुआ बुक : कासी विश्वनाथन

सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में उतरने की संभावना

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं खेला है पर वह शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में खेल सकते हैं। इसका अंदाजा घोनी के टीम के साथ उड़ान भरने को लेकर लगाया जा रहा है। ऐसे में अगर वह खेलते हैं तो इस सत्र में उन्हें खेलते हुए देखने का प्रशंसकों का सपना पूरा हो सकता है। धोनी फिट न होने के कारण शुरुआत से ही बाहर हैं। धोनी अपनी शानदार फिनिशिंग और विकेटकीपिंग के लिए जाने जाते हैं, पिंडली की चोट के कारण वह पूरे सीजन से बाहर रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके के प्रशंसकों को निराश हुई है। प्रशंसक उन्हें एक बार फिर खेलते हुए देखना चाहते हैं। फैंस की चाहत है कि अगर वो मैदान पर नहीं उतर सकते तो कम से कम टीम के किसी मैच में मौजूद रहें।

काउंटी चैम्पियनशिप में सफल वापसी के साथ ही स्टोक्स ने साबित की फिटनेस

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने चोट से वापसी करते हुए काउंटी चैम्पियनशिप में अच्छी गेंदबाजी कर साबित कर दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से फिट हैं। स्टोक्स की वापसी से इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने राहत की सांस ली है। टीम को आने वाले समय में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। ऐसे में स्टोक्स की वापसी से घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी बेहतर होगी। जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड जैसे स्टार खिलाड़ियों के संन्यास के बाद से ही स्टोक्स की भूमिका और भी अहम हो जाती है।

स्टोक्स ने डरहम काउंटी क्रिकेट क्लब की ओर से वॉर्सेस्टरशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के खिलाफ डिवीजन टू मुकाबले में खेला है। चोट से वापसी के बाद से ही यह उनका पहला प्रतिस्पर्धी मैच था। इंग्लैंड का इस साल एक व्यस्त घरेलू टेस्ट सत्र है, जिसमें उसे आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के तहत जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट और अगस्त-सितंबर में पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं। ऐसे में तेज गेंदबाजी विकल्पों की कमी को देखते हुए, स्टोक्स को इन महत्वपूर्ण श्रृंखलाओं के दौरान नई गेंद से गेंदबाजी करते हुए देखा जा सकता है। एंडरसन, ब्रॉड और क्रिस वोक्स के संन्यास के बाद, टीम अभी भी एक आदर्श नई गेंद के आक्रमण की तलाश में है। ब्रायडन कार्स और मार्क वुड की चोटें, साथ ही जोफ्रा आर्चर की फिटनेस को लेकर चल रही चिंताओं ने चयनकर्ताओं के सामने 4 जून को लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट से पहले बड़े फैसले लेने की चुनौती खड़ी कर दी है।वर्तमान तेज गेंदबाजी विकल्पों में ओली रॉबिन्सन, मैथ्यू पॉट्स, सैम कुक और सन्नी बेकर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, लेकिन काउंटी क्रिकेट में स्टोक्स की हालिया नई गेंद की गेंदबाजी से उन्हें इस अहम भूमिका में वापसी का मौका मिल सकता है।

मुंबई इंडियंस को हराकर प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करना चाहेगी पंजाब

शाम 7.30 बजे शुरू होगा मैच

धर्मशाला । पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल मुकाबले में गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस सत्र की शुरुआत में नंबर एक पर रही पंजाब की टीम पिछले चार मैच में लगातार हार से अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गयी है। उसके अब तक 13 अंक हैं, ऐसे में प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे ये मैच हर हाल में जीतना होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर उसे पिछले मैचों में की गयी गलतियों से बचना होगा। उसके ऊपर दबाव भी रहेगा और ऐसे में अब देखना होगा कि वह किस प्रकार से खेलती है। इस मैच में उसे अपनी गेंदबाजी और फील्डिंग में जल्द से जल्द सुधार करना होगा। पिछले मैच में उसे इन दोनो क्षेत्रों की कमजोर से हार का सामना करना पड़ा था। उसे प्लेऑफ में जगह बनाने बचे हुए दो मैचों को हर हाल में जीतना होगा।

इटली की राजधानी रोम में इटालियन ओपन टेनिस में खेलते हुए मेजबान देश के शीर्ष खिलाड़ी जैनिक सिनर।

स्पेनिश लीग ला लीगा में एल्चे को 2-1 से हराया, पेत्रोत को रेड कार्ड

रियल बेटिस 20 साल बाद चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब रियल बेटिस ने 20 साल बाद फुटबॉल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता श्वस्न चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई कर इतिहास रच दिया है। मंगलवार को स्पेनिश लीग ला लीगा में बेटिस ने एल्चे को 2-1 से हराकर 5वां स्थान और चैंपियंस लीग का अंतिम स्पॉट पक्का कर लिया। एल्चे रेलीगेशन के करीब है।

रियल बेटिस ने आखिरी बार 2005-06 सीजन में चैंपियंस लीग खेली थी। मैनुअल पेलेग्रिनी की टीम ने जीत के साथ छठे स्थान पर मौजूद सेल्टा विगो पर 7 अंकों की बढ़त बना ली है। लीग में अब केवल दो दौर के मैच बाकी हैं। बेटिस के प्रशंसकों के लिए यह इमोशनल पल है, क्योंकि 2 दशक बाद उनकी टीम यूरोप के सबसे बड़े मंच पर खेलेगी।

एटलेटिको मैड्रिड की भी जीत

एक अन्य मुकाबले में चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड ने ओसासुना को 2-1 से हराया। एटलेटिको के लिए एडेमोला लुकमैन और अलेक्जेंडर सोरलॉथ ने गोल किए। 79वें मिनट में मार्कोस लोरेंटे को रेड कार्ड मिलने के बाद टीम को अंत में 10 खिलाड़ियों के साथ संघर्ष करना पड़ा।

ला लीगा की ताजा स्थिति

रियल बेटिसः 5वें स्थान पर रहकर चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई किया।

सेल्टा विगोः लेवांते से 3-2 की हार के बाद छठे स्थान पर खिसकी। लेवांतेः विगो पर जीत के साथ ही अंक तालिका में 16वें स्थान पर पहुँच गई है। एल्चे : हार के बाद टीम रेलीगेशन जोन के करीब है। बार्सिलोना ने मैड्रिड को हराकर जीता टाइटल

ला लिगा के मौजूदा सीजन का खिताब बार्सिलोना ने जीता। उसने पॉइंट टेबल में 14 अंकों के भारी अंतर के साथ ला लिगा का खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया। 97 साल बाद 'एल क्लासिको' से लीग का विजेता तय हुआ।

बेटिस ने इस पोस्ट के जरिए फैंस को जानकारी दी

पेत्रोत को रेड कार्ड, एल्चे को 10 प्लेयर्स से खेलना पड़ा बेटिस के लिए कुचो हर्नांडेज ने 9वें मिनट में गोल कर बढ़त दिलाई थी। हाफ-टाइम से पहले एल्चे के हेक्टर फोर्ट ने स्कोर बराबर कर दिया। 49वें मिनट में एल्चे के लियो पेत्रोत को रेड कार्ड मिला। इसके बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही एल्चे के खिलाफ पाब्लो फोर्नाल्स ने 68वें मिनट में विनिंग गोल दागकर बेटिस की जीत और चैंपियंस लीग का टिकट तय कर दिया।

प्रशासन की ढिलाई से चल रहा है रेत माफियाओं का खूला खेल

रेत उत्खनन को लेकर पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने उठाए सवाल, खनिज विभाग की कार्यशैली पर जताई नाराजगी

बस्तर /मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग -रेत उत्खनन को लेकर पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने उठाए सवाल, खनिज विभाग की कार्यशैली पर जताई नाराजगी। बस्तर जिले बस्तर विकासखंड बड़े आमाबाल नारंगी नदी पालबहार हल्दी मारी में लगातार बढ़ रहे अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के मामले को लेकर कांग्रेस कांग्रेस के पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने जिले में सक्रिय रेत माफिआओं पर प्रशासन की ढिलाई और खनिज विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। नारायणपूर विधायक चंदन कश्यप ने आरोप लगाते हुए कहा कि सुशासन का दावा करने वाली सरकार के कार्यकाल में आज खुलेआम रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के कई क्षेत्रों में रात-दिन भारी वाहनों के माध्यम से रेत का परिवहन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंख मूंदकर बैठा हुआ है। उन्होंने कहा कि रेत माफिआओं की सांठगांठ भाजपा नेताओं और कुछ अधिकारियों के साथ होने के कारण कार्रवाई नहीं हो रही है। इसी वजह से अवैध कारोबार धड़ल्ले से संचालित हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में नदी-नालों से नियमों को ताक पर रखकर मशीनों के जरिए रेत निकाली जा रही है, जिससे पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। चंदन कश्यप ने कहा कि कई बार स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों द्वारा संबंधित अधिकारियों को अवैध उत्खनन की जानकारी दी गई, लेकिन अधिकारी एक-दूसरे विभाग का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचते नजर आते हैं। कोई खनिज विभाग की बात करता है तो कोई राजस्व विभाग और पुलिस पर जिम्मेदारी डाल देता है। इस कारण अवैध कारोबारियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन की लापरवाही के चलते शासन को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों को धूल, खराब सड़कों और दुर्घटनाओं जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। भारी वाहनों की आवाजाही से गांव की सड़कें जर्जर हो रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौन बने हुए हैं।पूर्व विधायक ने मांग करते हुए कहा कि अवैध रेत उत्खनन और परिवहन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा खनिज विभाग की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्रीय जनता के साथ आंदोलन किया जाएगा।

जमीन विवाद में चौहरे हत्याकांड का खुलासा, पिता-पुत्र गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के थाना शिवरीनारायण अंतर्गत पुलिस सहायता केंद्र राहौद क्षेत्र के ग्राम भवतरा में एक ही परिवार के चार सदस्यों की निर्मम हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चंद घंटों के भीतर बड़ा खुलासा कर दिया है।

पुलिस ने इस चौहरे हत्याकांड में शामिल आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला पारिवारिक जमीन विवाद से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 14 मई 2026 की सुबह पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम भवतरा में अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक ही परिवार के चार लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही थाना शिवरीनारायण पुलिस, एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता पाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और त्वरित गिरफ्तारी के निर्देश दिए।जांच के दौरान पुलिस एवं साइबर टीम ने तकनीकी साक्ष्य, भौतिक सबूत और संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर मृतक मेदनीराम कश्यप के पुत्र सोनसाय कश्यप और उसके बेटे गोलू कश्यप को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने पारिवारिक जमीन विवाद के चलते चारों की हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी सोनसाय कश्यप का आपराधिक इतिहास रहा है। वर्ष 2009 में उसने अपने सगे छोटे भाई पुनाउराम की हत्या की थी, जिसके चलते उसे आजीवन कारावास की सजा हुई थी। करीब दो वर्ष पूर्व जेल से रिहा होने के बाद वह गांव लौटा था, जहां जमीन के बंटवारे को लेकर पिता से उसका विवाद लगातार चलता रहा। मृतक की शिकायत पर पूर्व में आरोपी के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी थी।पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है और दोनों से पूछताछ जारी है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस हृदयविदारक घटना के बाद गांव में दहशत और शोक का माहौल है।

परसदा से डोटमा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क निर्माण कार्य में किया जा रहा लीपापोती

डामरीकरण किए बिना ठेकेदार नदारद, जिम्मेदारों की चुप्पी समझ से परे

सक्ती/ हसौद/मूक पत्रिका

एक तरफवर्तमान राज्य सरकार लोगों को आवागमन करने में कोई असुविधा न हो इसलिए करोड़ों रुपये खर्चकर सड़क का निर्माण करवा रही है तो वहीं प्रशासन में बैठे जिम्मेदार अधिकारी एवं ठेकेदार शासकीय राशि को गबन कर राशि को बंदरबाट करने के लिए नए नए तरीके अपनाते नजर आते हैं। ऐसा ही एक मामला जिले हसौद उपब्लाक अंतर्गत ग्राम परसदा से डोटमा पहुंच मार्ग में सामने आया है जहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत परसदा से डोटमा तक जाने के लिए पक्की सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा था, जिसकी दूरी लगभग 3.25 किमी है। इसके लिए हिल ब्रो मेटालिक्स एवं कंस्ट्रक्शन कंपनी रायगढ़ को यह ठेका दिया गया था। लेकिन इस रोड पर करीब दो साल से निर्माण कार्य ठप पड़ा हुआ था। जिस मामले को लेकर खबर प्रकाशित किया था। खबर प्रकाशन के बाद श्री श्याम इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपर्स शिवरीनारायण के नाम पर काम तो चालू कराया गया लेकिन विभागीय साठगांठ कहे या फिर ठेकेदार का मनमानी सड़क निर्माण में औपचारिकता निभा कर बिना डामरीकरण किए काम अधूरा छोड़ ठेकेदार कई महीनों से नदारद है। जिसका निर्माण कार्य को देख रेख निर्माण कार्य पूर्ण ना होने व ठेकेदार का खोज खबर करने में विभागीय जिम्मेदार जरा भी रुचि नहीं दिखा। जिसे लेकर विभाग के कार्यशैली सवालों के घेरे में है। तो वही गर्मी में सड़क पर पानी नहीं डाले जाने से धूल और डस्ट से राहगीरों का इस रोड पर चल पाना मुश्किल हो गया है। लोगों को आने जाने में काफी परेशानियां उठानी पड़ रही है।लेकिन जिम्मेदारों को लोगों की परेशानी से कोई मतलब नही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार बिना डामरीकारण केवल सूचना बोर्ड लगाकर गायब है। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही है। जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है और जिम्मेदार अधिकारी के कार्यशैली कटघरे में खड़ा नजर रहा है। आपको बता दें कि ग्रामीणों द्वारा मार्ग में डामरीकरण व चौड़ीकरण करने के लिए लंबे समय से मांग करते आ रहे थे। अब जब सड़क निर्माण की मंजूरी ठेकेदार हिल ब्रो मेटालिक्स कम्पनी को मिली है तो उसने केवल सूचना बोर्ड लगाकर निर्माण कार्य को अधूरा छोड़ दिया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार एवं इंजीनियर एवं विभागीय अधिकारी इन सभी ने सड़क निर्माण के राशि का गबन कर लिया है इसलिए निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है।अ

सरकारी जमीन से हटाया गया अवैध कब्जा, जेसीबी से चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

बेजा कब्जाधारियों पर प्रशासन का कहर

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के ग्राम पंचायत सिवनी-नैला में आज प्रशासन ने सरकारी भूमि पर वर्षों से किए जा रहे बेजाकब्जा के खिलाफबड़ी और सख्त कार्रवाई की। बार-बार नोटिस और समझाइश के बावजूद जब कब्जाधारियों ने सरकारी जमीन खाली नहीं की, तो प्रशासन को मजबूरन अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाना पड़ा।पंचायत एवं राजस्व विभाग द्वारा संबंधित कब्जाधारियों को पिछले कई महीनों से लगातार नोटिस जारी किए जा रहे थे। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कई बार समझाइश भी दी, लेकिन इसके बावजूद अवैध कब्जा नहीं हटाया गया। अंततः नियमों के तहत प्रशासन ने सख्त कार्रवाई का निर्णय लिया।कार्रवाई के दौरान तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व अमला मौके पर मौजूद रहा। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। प्रशासन की निगरानी में जेसीबी मशीनों के जरिए अवैध निर्माण और कब्जों को ध्वस्त किया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे। कई ग्रामीणों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि सरकारी जमीनों पर बढ़ते अतिक्रमण से आमजन को भारी परेशानी हो रही थी। वहीं कुछ कब्जाधारियों ने कार्रवाई पर नाराजगी भी जताई। इस संबंध में ग्राम पंचायत सिवनी-नैला के सरपंच रघुवीर बरेठ ने कहा,÷गांव में बेजा कब्जाधारियों पर कार्रवाई की गई है। आगे भी शासकीय भूमि की रक्षा के लिए हर संभव वैधानिक कदम उठाए जाएंगे। पंचायत सरकारी जमीनों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है। पंचायत सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान यहीं नहीं रुकेगा। जिन लोगों ने शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है, उनके खिलाफ नियमानुसार आगे भी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बनी रही। दिनभर गांव में इसी कार्रवाई की चर्चा होती रही और लोग प्रशासन के अगले कदमों पर नजर बनाए हुए हैं।

वायरल ऑडियो मामले में कलेक्टर ने की अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा

जांच प्रतिवेदन के आधार पर सचिव, जलसंसाधन विभाग को भेजा गया प्रस्ताव

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

सोशल मीडिया में वायरल ऑडियो मामले में कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत आगे की कार्रवाई की है।

उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया में वायरल ऑडियो में जलसंसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता एवं विभाग में पदस्थ वाहन चालक के बीच बातचीत होने का दावा किया गया था, जिसमें आपत्तिजनक भाषा के उपयोग की बात सामने आई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने अपर कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए थे।

अपर कलेक्टर द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर श्री महोबे ने संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने हेतु सचिव, जलसंसाधन विभाग को प्रस्ताव प्रेषित किया है।

महंगाई, ईंधन संकट और सरकारी नीतियों को लेकर कांग्रेस की पत्रकार वार्ता

बेमेतरा/मूक पत्रिका

देश में बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कीमतों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। इसी मुद्दे को लेकर बीते गुरुवार 14 मई 2026 को शाम 4 बजे बेमेतरा स्थित राजीव भवन में जिला स्तरीय पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार महंगाई नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है। पार्टी का कहना है कि पिछले वर्षों में पेट्रोल, डीजल, गैस सिलेंडर सहित दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़े हैं, जिससे आम जनता का घरेलू बजट प्रभावित हुआ है और किसानों पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद केंद्र सरकार ने कच्चे तेल के भंडारण की दिशा में पर्याप्त कार्य नहीं किया, जिसके कारण ईंधन संकट की स्थिति बनी हुई है।

वहीं प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए ÷ईंधन बचाओ÷ बयान पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार को पहले अपने खर्चों और जनप्रतिनिधियों के काफिलों में कटौती करनी चाहिए। पत्रकार वार्ता में छत्तीसगढ़ के पूर्व कैबिनेट मंत्री रविंद्र चौबे, पूर्व संसदीय सचिव गुरुदयाल सिंह बंजारे, पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। कार्यक्रम में बूथ, ब्लॉक, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहें।

सडक़ बनी, फिर खुद गई! सावित्री नगर मार्ग पर पाइप लाइन फटने से लोगों की बढ़ी परेशानी

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर में विकास कार्यों की रफ्तार भले तेज दिखाई दे रही हो, लेकिन योजनाओं के अभाव में आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ताजा मामला रायगढ़ के सावित्री नगर मार्ग का है, जहां पाइप लाइन फटने के बाद निगम की टीम ने हाल ही में बनी नई सडक़ को फिर से खोद दिया। सडक़ खोदने के कारण इस मार्ग का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है, जिससे दिनभर लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।बताया जा रहा है कि इस मार्ग पर लाखों रुपए खर्च कर नई सडक़ का निर्माण कराया गया था, लेकिन पाइप लाइन फटने की घटना के बाद सडक़ को दोबारा जेसीबी से खोदना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि पहले सडक़ बना दी जाती है और बाद में नाली, पाइप लाइन या अन्य कार्यों के लिए उसी सडक़ को फिर से तोड़ दिया जाता है। इससे सरकारी राशि की बर्बादी के साथ-साथ लोगों को भी परेशान होना पड़ता है।इधर, जिस मार्ग पर यह स्थिति बनी हुई है वहां एक होटल भी बिना पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था के संचालित बताया जा रहा है। सडक़ किनारे वाहनों की पार्किंग होने और बगल में नए निर्माण कार्य के चलते पहले से ही यातायात प्रभावित था, ऊपर से सडक़ खुदने के बाद हालात और खराब हो गए हैं।स्थानीय नागरिकों ने निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि पहले से बेहतर योजना बनाकर काम किया जाए तो नई सडक़ों को बार-बार खोदने की नौबत नहीं आएगी। फिलहाल सडक़ खुदने के कारण लोगों को धूल, जाम और असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

पोस्ट ऑफिस एजेंट की बड़ी ठगी उजागर, चांपा में जमा पूंजी डूबी

एक के बाद एक ठगी! चांपा में पोस्ट ऑफिस एजेंट पर दूसरा गंभीर आरोप

चांपा/मूक पत्रिका

नगर में पोस्ट ऑफिस के नाम पर लोगों की वर्षों की मेहनत की कमाई हड़पने का गंभीर मामला सामने आया है। इमली घाट निवासी कृष्ण कुमार गुप्ता उर्फ कांतु पर पोस्ट ऑफिस एजेंट बनकर लोगों से लाखों रुपये जमा कराने और उसे पोस्ट ऑफिस में जमा नहीं करने का आरोप लगा है। मामला सामने आते ही नगर में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार आरोपी बीते कई वर्षों से घर-घर जाकर पोस्ट ऑफिस की विभिन्न बचत योजनाओं का प्रचार करता था। वह लोगों को बेहतर ब्याज और सुरक्षित निवेश का झांसा देकर हर माह रकम वसूलता रहा। हितग्राहियों को भरोसा दिलाया जाता था कि उनकी राशि पोस्ट ऑफिस खातों में जमा कर दी जा रही है।लेकिन जब कुछ हितग्राहियों ने अपने खातों की जानकारी लेने के लिए पोस्ट ऑफिस पहुंचकर जांच की, तो पता चला कि कई खातों में रकम जमा ही नहीं की गई है। इसके बाद ठगी का खुलासा हुआ और पीड़ितों में आक्रोश फैल गया। बुधवार को करीब 50 से 60 महिला-पुरुष हितग्राही आरोपी के घर पहुंचे और अपनी जमा रकम वापस करने की मांग करने लगे। आरोप है कि आरोपी की पत्नी ने कृष्ण कुमार गुप्ता के घर पर मौजूद न होने की बात कहकर लोगों को वहां से हटने को कहा। इससे नाराज महिलाओं ने घर के सामने टेंट लगाकर धरना शुरू कर दिया। धरने पर बैठी हितग्राही सुनीता यादव ने बताया कि यादव पारा क्षेत्र के ही लगभग 80 लाख से 1 करोड़ रुपये तक की राशि फंसी होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों ने मजदूरी, बच्चों की पढ़ाई और बेटियों की शादी के लिए अपनी जमा पूंजी यहां निवेश की थी, जो अब संकट में पड़ गई है।धरने और हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। हालांकि हितग्राहियों का कहना है कि अब उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि अपनी पूरी जमा रकम वापस चाहिए। मामले को लेकर नगर में चर्चा और रोष का माहौल बना हुआ है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित। संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।